ISSN 2349-6614

जनवरी 2022 मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

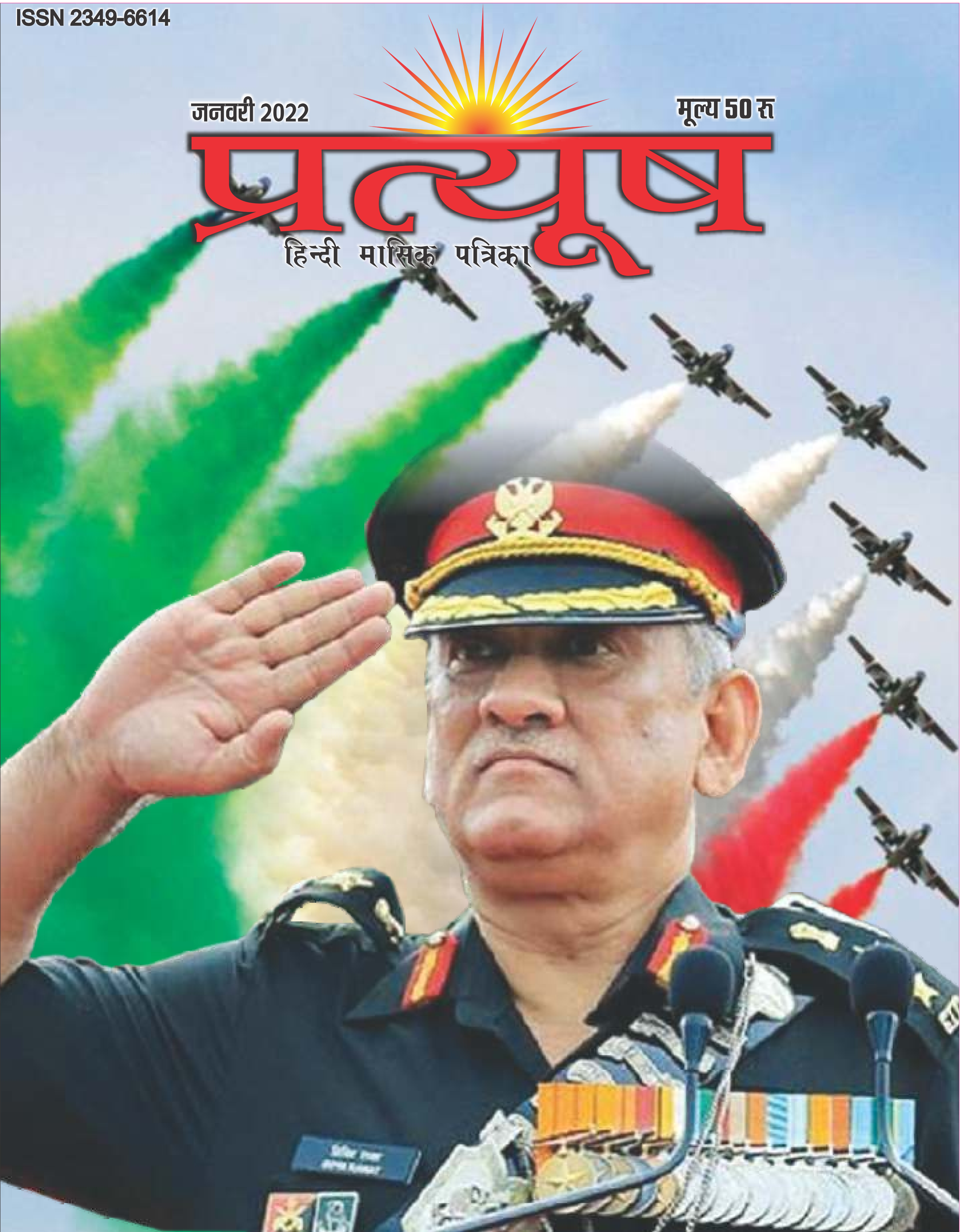

जांबाज जनरल को आखिरी सलाम...

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 19 अंक 9, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

Shree
Cement
SHREE
जंग रोधक
CEMENT
घर की ढाल,
सालों साल
SHREE जंग रोधक CEMENT
SHREE
जंग रोधक
CEMENT
Marketing Office: 122-123, Hans Bhawan, 1 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi - 110002.
Tel: +91-11-2337 0828, 2337 0829.
Corporate Office: 21, Strand Road, Kolkata - 700001. | Tel: +91-33-2230 9601-04
www.shreecement.com

नववर्ष, मकर संक्रांति व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जनवरी 2022 वर्ष 19, अंक 9

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डागी
कुलदीप इन्दौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

दर्शन

साक्षी की तलाश ही अध्यात्म है - ओशो 14

आहार

बिना सोचे-समझे न खाएं ज्यादा प्रोटीन 18

नारी शक्ति

दो महिला खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित पुरस्कार 34

सलाह

वसीयत के शब्द चुनें सावधानी से 40

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित ।

ॐ
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Purohit Cafe
A South Indian Food Joint
N. K. Purohit
आपका विश्वास ही हमारी पहचान
वर्ष 1970 से 1980 तक दुबई में तथा 1981 से 1986 तक लंदन-अमेरिका में सफल सेवाओं के बाद अब 1987 से उदयपुर शहर में
(तीन दशक से आपके विश्वास पर खरा सिद्ध)
❊ कैफे में पधारकर एक बार सेवा का मौका अवश्य देवें। ❊ आप व आपके परिवार की जायकेदार और लाजवाब पसंद, शुद्ध और स्वादिष्ट इडली, डोसा, मसाला और अन्य व्यंजन। ❊ सपरिवार बैठने की व्यवस्था।
❊ पूर्ण रूप से वातानुकूलित, शान्त एवं आरामदायक। ❊ सेवकों द्वारा विनम्र आवभगत।
"Anand Plaza" Nr. Ayad Bridge, University Road,
Udaipur (Raj.) 313 001 Ph. : 0294-2429635
Visit us : www.purohitcafe.com

ओमिक्रॉनः डरना नहीं लड़ना है

पिछले साल जब दुनिया भर में कोरोना संक्रमण गंभीर महामारी की सूरत लेकर दृश्यमान हुआ, तब तमाम मुल्कों ने न केवल अपने यहां इससे निपटने के हर इंतजाम किए, अपितु विदेशों में भी अपनी पहुंच के इलाकों में हर संभव मदद पहुंचाई। वैश्विक महामारी का सामना करने के क्रम में उपजी यह आम मानवीयता थी, जिसकी यूएनओ में भी सराहना हुई। मगर इलाज से लेकर टीकाकरण के जरिए इस महामारी को कमजोर करने के रास्ते जैसे-जैसे साफ होते जा रहे थे कि दक्षिण अफ्रीका से चले कोरोना के बहुरूप 'ओमिक्रॉन' की दस्तक ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। भारत में केन्द्र सरकार ने देशव्यापी कोरोना रोकथाम के उपायों को जारी रखने के उपायों के निर्देश दिए हैं तो राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर नए मार्गदर्शक निर्देशों के तहत लोगों से अपनी दिनचर्या को ढालने का अनुरोध कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के इस नए वेरिएंट को दुनिया के लिए बड़ा खतरा बताया है। डब्ल्यूएचओ ने आपात बैठक के बाद तकनीकी पेपर जारी करते हुए सभी देशों को पूरी सतर्कता बरतने का कहा है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार ओमिक्रॉन में स्पाइक प्रोटीन वाले हिस्से में बहुत ज्यादा म्युटेशन हुआ है, जिससे महामारी की गंभीरता पर संभावित प्रभाव को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। केन्द्र सरकार ने राज्यों से हर स्तर पर सावधानी बरतने, मास्क और साफ-सफाई जैसे बचाव के उपाय अपनाने, परीक्षण बढ़ाने और संक्रमित मरीजों के इलाज सहित टीकाकरण की गति तेज करने और टीके की दूसरी खुराक निर्धारित समय पर न लेने वाले लोगों से घर-घर सम्पर्क कर टीकाकरण के स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए है। साथ ही जोखिम वाले देशों के रूप में चिह्नित जगहों से आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर नजर रखने को कहा गया है। इसकी मुख्य वजह यह है कि कोरोना विषाणु के सबसे शुरुआती दिनों में सावधानी के सबसे जरूरी पहलू की अनदेखी करने के चलते इसके संक्रमण में विस्तार देखा गया था। इसलिए अब सबसे ज्यादा जोर इस पर दिया जा रहा है कि जहां से ओमिक्रॉन के फैलने की खबर आई हैं, वहां से दूसरे देशों की यात्रा करने वाले लोगों पर नजर रखी जाए। जाहिर है, यह कोरोना के कहर के अनुभवों का सबक है और यह इस विषाणु की प्रकृति को देखते हुए अच्छा है कि हर स्तर पर सावधानी बरती जाए। कोरोना के इस नए स्वरूप का वैज्ञानिक नाम बी.1.1.529 रखा गया है, जिसकी सबसे पहले पहचान दक्षिण अफ्रीका में हुई। राजस्थान सहित भारत के अनेक राज्यों में ओमिक्रॉन के केस दर्ज हुए हैं, जिनकी संख्या में इजाफा होता जा रहा है। इस महामारी की प्रकृति और असर के दायरे को देखने के बावजूद लोगों में जिस तरह की सजगता अपेक्षित है, उसका अभाव है। यह बात सामने आ चुकी है कि कोरोना के इस नए वेरिएंट ओमिक्रॉन में स्पाइक प्रोटीन के 30 से अधिक म्युटेशन हैं, जो मानव कोशिकाओं में तेज घुसपैठ करते हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह बड़ा सवाल है कि क्या इतने म्युटेशन के खिलाफ वर्तमान कोरोना टीके लड़ने में सक्षम हैं? इस सवाल का जवाब आने वाले दिनों में ही मिल पाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार ओमिक्रॉन, बीटा, डेल्टा स्वरूप सहित पिछले स्वरूपों से आनुवांशिक रूप से अलग है, लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि क्या ये आनुवांशिक परिवर्तन इसे और अधिक संक्रामक या घातक बनाते हैं? अब तक कोई संकेत नहीं मिले हैं। अक्सर ऐसा होता है कि किसी वायरस को खतरनाक मान लिया जाता है, लेकिन वह वायरस अपने आप अपनी मारक क्षमता खोने भी लगता है। जैसे सार्स को बहुत खतरनाक माना गया था, जिसमें मृत्यु दर 11 प्रतिशत थी। मर्स को तो और भी घातक माना गया था, जिसमें मृत्यु दर लगभग 34 प्रतिशत थी, लेकिन इन दोनों ही बीमारियों का आतंक कुछ ही देशों तक सिमट कर रह गया और इनका अब कहीं भी प्रकोप नहीं दिखता। कोविड-19 से दुनिया डरी हुई है, लेकिन ओमिक्रॉन कोरोना परिवार का अपेक्षाकृत कमजोर वायरस है, इसमें मृत्युदर तीन से चार प्रतिशत ही मानी जा रही है। इस वायरस के साथ सबसे खतरनाक बात यह हुई है कि यह दुनिया के कोने-कोने तक फैल रहा है। आज जरूरत इससे डरने की नहीं, बल्कि पूरी सावधानी से इससे लड़ने और फैलने से रोकने की है। हमें चिंता इसलिए भी करनी होगी, क्योंकि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित और शक्तिशाली राष्ट्र दो साल बाद भी कोरोना संक्रमण के खतरे से बुरी तरह जूझ रहे हैं।

...न भूलेगा हिन्दुस्तान वीरों की यह शहादत

भारतीय सेना में 43 साल तक सेवाएं देने वाले और देश के पहले सीडीएस बिपिन रावत अब हमारे बीच नहीं हैं। देश को उनके न होने का अभाव ऐसे समय झेलना पड़ रहा है, जब उस शूरवीर और बहुआयामी प्रतिभा की जरूरत कई आयामों पर थी। भारत उनके मार्गदर्शन में अपने प्रतिरक्षा ढांचे में कई सरंचनात्मक परिवर्तन कर उसे दुनिया का और अधिक सक्षम संगठन बनाने की ओर अग्रसर था।

उर्वशी शर्मा

तमिलनाडु के पर्वतीय इलाके में 8 दिसम्बर 21 को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका सिंह के साथ 12 सैन्य अफसरों–कर्मियों का निधन सैन्य तंत्र और देश के जनमानस को शोक विह्वल व विचलित करने वाली त्रासदी है। इस हादसे में बचे किंतु गंभीर रूप से झुलसे शौर्य चक्र विजेता ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह भी 15 दिसम्बर को जिंदगी की जंग हार गए। वे बैंगलुरू के सैनिक हॉस्पिटल में भर्ती थे। भोपाल के भदभदा विश्राम घाट पर उनका भी पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

यह घटना इसलिए और अधिक अकल्पनीय और आघातकारी है, क्योंकि जनरल रावत पत्नी और 12 सहयोगी वायु सेना के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले हेलीकॉप्टर में सवार थे। चूंकि यह हर लिहाज से एक भरोसेमंद और दुर्गम परिस्थितियों में भी आजमाया हुआ हेलीकॉप्टर था, इसलिए उसके दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच कहीं अधिक गहनता से होनी चाहिए। न केवल जांच बल्कि जिन परिस्थितियों में यह हादसा हुआ, उनका संज्ञान लेकर जरूरी सबक भी सीखे जाने चाहिए। वास्तव में भविष्य में ऐसे हादसों से बचने के लिए जो भी संभव हो, वह सब प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। जनरल बिपिन रावत के रूप में देश ने अपने पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ को ही नहीं, बल्कि एक अप्रतिम योद्धा को भी खोया है। सेना संगठन में सुधार के लिए वे कई परिवर्तनों के सूत्रधार रहे।

जनरल रावत वेलिंगटन की रक्षा अकादमी में भाषण देने जा रहे थे। दिल्ली से सुलूर तक वायुसेना के विमान से गए और वहां से हेलीकॉप्टर में वेलिंगटन के लिए उड़ान भरी थी। बीच रास्ते में हेलीकॉप्टर रहस्यमय ढंग से ध्वस्त हो गया। खराब मौसम इसकी वजह बताई जा रही

हादसे में इन शूरवीरों ने भी गंवाई जान

सीडीएस बिपिन रावत व उनकी पत्नी ने 8 दिसम्बर 21 को सवेरे पायलट ग्रुप कैप्टन पीएस चौहान और स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप के साथ उड़ान भरी थी। इस दौरान उनके साथ एक ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी समेत 14 लोग सवार थे। ■ ब्रिगेडियर एलएस लिद्दर ■ लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह ■ जितेन्द्र कुमार, नायक ■ गुरसेवक सिंह नायक ■ बी.साई तेजा, लांस नायक ■ विवेक कुमार, लांस नायक ■ सतपाल, हवलदार ■ जेडब्ल्यूओ प्रदीप ए ■ विंग कमांडर पृथ्वीसिंह चौहान ■ कुलदीप (स्क्वाड्रन लीडर) ■ जेडब्ल्यूओ दास ■ ग्रुप कैप्टन वरुणसिंह

है। स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि एमआई श्रृंखला का यह हेलीकॉप्टर आखिर दुर्घटनाग्रस्त कैसे हो गया? सेना इस हेलीकॉप्टर को बहुत भरोसेमंद मानती है। इसमें दो इंजन लगे होते हैं। किन्हीं स्थितियों में एक इंजन में खराबी आने के बाद दूसरा इंजन स्वत: काम करना शुरू कर देता है। इस तरह इसके दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना न्यून रहती है। इसके अलावा इसमें अत्याधुनिक उपकरण लगे हैं, जिनके जरिये बहुत सारी सूचनाएं एकत्र की जा सकती हैं। खराब मौसम, बर्फबारी आदि में भी यह हेलीकॉप्टर सक्षमता से उड़ान भर और उतर सकता है। बताते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक में भी सेना ने इसी श्रृंखला के हेलीकॉप्टरों का प्रयोग किया था, जिनके जरिये पाकिस्तानी सरहद में साठ सैनिकों को उतारा गया था। यह ऊंचाई वाले स्थानों पर भी कुशलता से उड़ान भर सकता है। बिपिन रावत के पिता लक्ष्मणसिंह रावत भी बहुत कर्मठ व समर्पित जवान थे। जो लक्ष्मणसिंह रावत सेना से लेफ्टिनेंट जनरल के पद से रिटायर हुए। जनरल रावत बेबाक, निडर और साहसी और सेना के बहुत सक्षम और आदर्श पेशेवर अफसर थे। आतंकी हिंसा से लड़ने और रणनीति बनाने में विशेषज्ञ थे। उन्हें छह सम्मान मिले हुए थे। उनका जाना एक बहुत बड़ी क्षति है। उनके साथ ही भारतीय सेना ने कई बहुत सक्षम अफसरों को खोया है, यह दु:ख हमेशा तक सालता रहेगा। देश उनके योगदान को भूल नहीं सकता– इसलिए और भी नहीं, क्योंकि उन्होंने कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर में आतंकवाद विरोधी कई अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। करगिल संघर्ष में भागीदारी करने के साथ उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक को भी अंजाम दिया था। चीन को भी साफ–साफ शब्दों में चेतावनी देकर गलावन में पीछे हटने के लिए मजबूर किया। रावत ने 11वीं गोरखा राइफल की पांचवी बटालियन से 1978 में करियर की शुरूआत की थी। इनका जन्म 16 मार्च 1958 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में चौहान राजपूत परिवार में हुआ। रावत ने देहरादून में कैंबरीन हाल स्कूल, शिमला, सेंट एडवर्ड स्कूल और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से शिक्षा ली। यहां उन्हें सॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने मद्रास यूनिवर्सिटी से रक्षा अध्ययन में एमफिल, प्रबंधन में डिप्लोमा और कम्प्यूटर अध्ययन में भी डिप्लोमा किया। 2011 में उन्हें सैन्य मीडिया सामरिक अध्ययनों पर अनुसंधान के लिए चौधरी चरणसिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ की ओर से डाक्टरेट ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया। सीडीएस बिपिन रावत ऊंचाई पर जंग लड़ने के विशेषज्ञ थे। उन्हें काउंटर–इंसजेंसी ऑपरेशन यानी जवाबी कार्रवाई के भी एक्सपर्ट के तौर पर जाना जाता था।

दोनों बेटियों के साथ मधुलिका सिंह (फाइल फोटो)

आखिरी दम तक रही पति के साथ

बिपिन रावत की पत्नी मधुलिका रावत मध्यप्रदेश के शहडोल से संबंध रखती थी। रियासतदार कुंवर मृगेन्द्रसिंह उनके पिता थे। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान में ग्रेजुएशन किया था। वह समाजसेवा में अग्रणी रहीं। मधुलिका परिवार संभालने के साथ–साथ आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष भी रहीं। इसके तहत वह शहीदों की पत्नियों के जीवनयापन, विकास के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करती रहती थीं। रावत की बड़ी बेटी कृतिका रावत मुंबई में रहती हैं। छोटी बेटी तारिणी अभी पढ़ रही हैं। दोनों ही बहनों ने एक ही चिता पर चिरनिद्रा मग्न माता–पिता को पूर्ण वैदिक विधि से मुखाग्नि दी। इस दौरान दिल्ली के बरार स्क्वायर (श्मशानघाट) पर 17 तोपों की सलामी दी गई। जनरल रावत के आवास कामराज मार्ग से पति–पत्नी की अंतिम यात्रा निकली। जिसे तीनों सेनाओं के अध्यक्षों ने भी कंधा दिया।

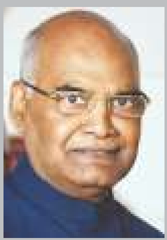

मैं जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका जी की असमय मौत पर स्तब्ध और क्षुब्ध हूं। देश ने बहादुर सपूत को खो दिया। मातृभूमि के प्रति चार दशकों की नि:स्वार्थ सेवा उनके अद्वितीय शौर्य एवं बहादुरी से परिपूर्ण रही।

–रामनाथ कोविंद, राष्ट्रपति

तमिलनाडु में हेलिकॉप्टर दुर्घटना से मैं बहुत दुखी हूं, जिसमें हमने जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बलों के अन्य कर्मियों को खो दिया। उन्होंने अत्यंत कर्मठता से भारत की सेवा की। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। जनरल रावत एक उत्कृष्ट सैनिक थे। एक सच्चे देशभक्त के रूप में उन्होंने सुरक्षा तंत्र और हमारे सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में बहुत बड़ा योगदान दिया। रणनीतिक मामलों में उनकी दूरदृष्टि असाधारण थी। उनके निधन से मुझे गहरा सदमा पहुंचाया है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

तमिलनाडु में बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हेलिकॉप्टर दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पतनी और सशस्त्र बलों के 12 अन्य कर्मियों के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ। उनका असामयिक निधन हमारे सशस्त्र बलों और देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

– राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

मैं जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। यह एक अप्रत्याशित त्रासदी है और इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। इस दुर्घटना में अन्य लोगों की मृत्यु पर भी गहरा दुख है।

–राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सेवा ही कर्म सेवा ही धर्म
3 वर्ष आपका विश्वास हमारा प्रयास

"राज्य की संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार के सफल 3 वर्ष पूर्ण होने पर मैं सभी को हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि, स्वस्थ जीवन और चहुंमुखी विकास की कामना करता हूँ। आइए हम सब मिलकर राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं संकल्पबद्धता से अपने कदम बढ़ाएं और मन, वचन व कर्म से इसमें सहभागी बनकर अपनी भूमिका निभाएं।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

खुशहाल जनता, समृद्ध राजस्थान, 3 वर्षों में हर चेहरे पर मुस्कान

तीन वर्ष की उपलब्धि, सुशासन विकास और समृद्धि

• बेहतरीन कोरोना प्रबंधन
राजस्थान मॉडल स्टेट। दुनियाभर में सराहना। निकटवर्ती राज्यों के लोगों का भी किया मुफ्त इलाज

• कोरोना में 'कोई भूखा ना सोए' का संकल्प
32 लाख निराश्रित परिवारों को दी गई, प्रति परिवार 5500 रुपए की सहायता

• मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
प्रत्येक परिवार को मिल रहा है 5 लाख रुपए का निःशुल्क इलाज

• जन घोषणा पत्र को किया नीतिगत दस्तावेज घोषित 70 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे

• अब तक 21 लाख किसानों का लगभग 15000 करोड़ रुपए का ऋण माफ

• 5 वर्ष तक किसानों के लिए बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं

• मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना
प्रतिमाह 1000 रुपए बिजली बिल अनुदान। छोटे किसानों का बिजली बिल हुआ लगभग शून्य, अब तक 18000 करोड़ रुपए का अनुदान जारी

• एक लाख बेरोजगारों को मिली सरकारी नौकरी, एक लाख भर्तियां प्रक्रियाधीन, शीघ्र ही होगी नियुक्ति

• राज्य के 33 जिलों में से 30 में खुल रहे हैं मेडिकल कॉलेज

• इंदिरा महिला शक्ति योजना
महिला सशक्तिकरण के लिए 1000 करोड़ रुपए की निधि

उड़ान योजना
• समस्त किशोरियों और महिलाओं को निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण

• महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल
अब तक 87293 विद्यार्थी नामांकित, 5000 से ज्यादा आबादी वाले हर गांव और कस्बे में खोले जा रहे 1200 विद्यालय

अधिक जानकारी के लिए जनकल्याण पोर्टल www.jankalyan.rajasthan.gov.in देखें।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

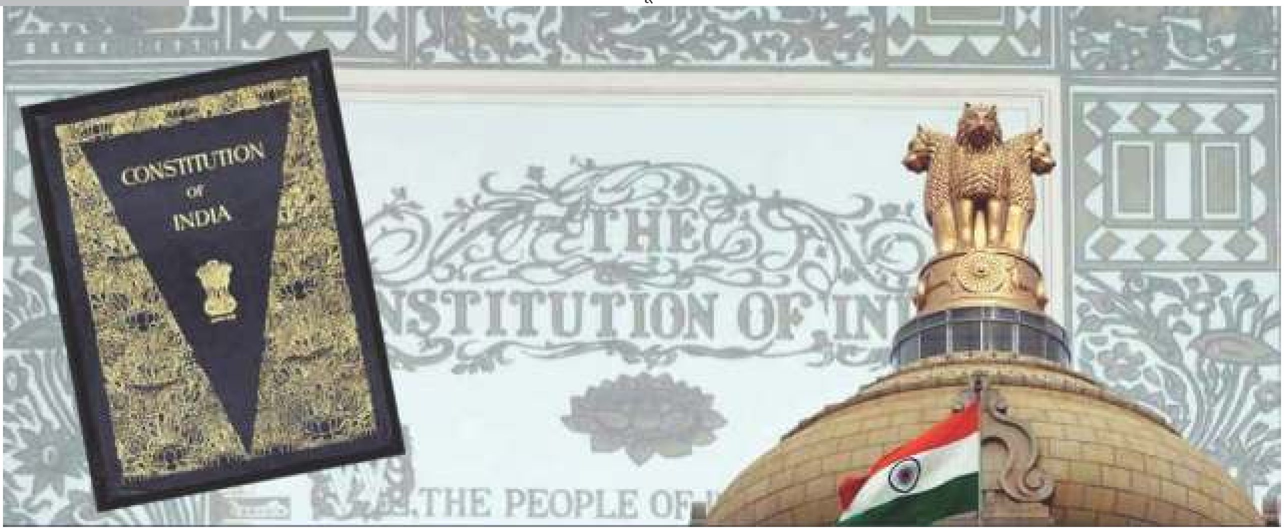

कलराज मिश्र
राज्यपाल,
राजस्थान

उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रही भारतीय गणतंत्र की यात्रा

26 जनवरी 1950 से शुरु हुई भारतीय गणतंत्र की यात्रा अनेक उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रही है। फिर भी, भारत ने संसार में सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है।

संविधान विधान भर नहीं है। यह भारतीय संस्कृति है। भारतीय संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है, जो उदात्त जीवन परम्पराएं हैं, संविधान उनको एक तरह से व्याख्यायित करता है। राष्ट्र भू-भाग भर नहीं होता। यह अपने आप में विचार है। देश को विचार संज्ञा में देखने का अर्थ ही है, ऐसा राष्ट्र जिसमें स्त्री-पुरुष में, जाति और धर्म के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। जहां अनुभव और ज्ञान सहभागी है। भारत का अर्थ ही है- ज्ञान और दर्शन की वह महान परम्परा, जिसमें वैदिक ऋचाओं से लेकर आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन तक का सार आ जाता है। सारे विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम के सूत्र के साथ अपना परिवार मानने का संदेश हमारे राष्ट्र ने दिया है। हमारा संविधान इस उदात्त विचार का एक तरह से लिखित रूप है। संविधान का मूल, हमारी वह महान परम्परा है, जिसमें कहा गया है कि लोका: समस्ता सुखिनो भवंतु, यानी लोक कल्याण में ही सबका सुख निहित है। संविधान का मूल

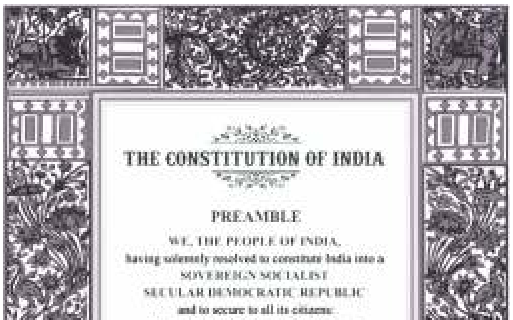

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA,
having solemnly resolved to constitute India into a
SOVEREIGN SOCIALIST
SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC
and to secure to all its citizens:
JUSTICE, social, economic and political;
LIBERTY of thought, expression,
belief, faith and worship;
EQUALITY of status and of opportunity;
and to promote among them all
FRATERNITY assuring the dignity of the
individual and the unity and
integrity of the Nation;
IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY
this twenty-sixth day of November, 1949, do
HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO
OURSELVES THIS CONSTITUTION.

आधार यही परम्परा है। संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष के तौर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की नियुक्ति हुई थी। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि संविधान के मूल प्रारूप में भारतीय संस्कृति का कलात्मक चित्रण है। पृथ्वी पर सबसे पुरानी सभ्यता के सांस्कृतिक मूल्यों के समग्र दृष्टिकोण को हमारा संविधान व्यंजित करता है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आग्रह पर शांति निकेतन के कलागुरु नंदलाल बोस ने संविधान में कलात्मक चित्र उकेरे। राजस्थान के कलाकार कृपालसिंह शेखावत ने भी संविधान प्रारूप के कलात्मक स्वरूप में योगदान दिया। महर्षि अरविंद के आध्यात्मिक राष्ट्रवाद, वैदिक काल से 20वीं सदी तक की सनातन भारतीय परम्परा, भारतीय सभ्यता के आधारभूत ढांचे की समझ के साथ रामायण, महाभारत और भारतीय संस्कृति से महान परम्पराओं का संविधान के प्रारूप में विशेष चित्रण किया गया है। निसंदेह, भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों में सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। देश के आदर्शों, उद्देश्यों व मूल्यों का यह संचित प्रतिबिम्ब है। मानव अधिकारों और कर्तव्यों का हमारा संविधान एक तरह से वैश्विक दस्तावेज है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी की यह बात मुझे सदा याद

आती है कि कर्तव्यों के हिमालय से ही अधिकारों की गंगा बहती है। संविधान हमें अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन की सीख देता है।

पूरी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावना किसी संविधान की मानी गई है, तो वह हमारे देश की है। संविधान उद्देशिका के हम भारत के लोग शब्द से लोकतंत्र का आदर्श स्वत: स्पष्ट होता है। हम भारत के लोग महज एक वाक्य नहीं है, बल्कि यह हमारी महान भारतीय संस्कृति का एक तरह से जीवन दर्शन है। संविधान और शासन की मूलकार्य-प्रणाली को लोकतांत्रिक स्वरूप देते हुए हमने अपने देश को सच्चे अर्थों में गणतंत्र घोषित किया है। गणतंत्र का तात्पर्य उस शासन व्यवस्था से है, जिसका सांविधानिक मुखिया जनता द्वारा चुना जाता है। भारत में संसदीय शासन व्यवस्था है, इसीलिए राष्ट्रपति भारतीय गणतंत्र के सर्वोच्च नायक है और उनकी पद स्थिति समस्त निर्वाचित सांसदों और विधायकों से प्राप्त विधिवत बहुमत से चुने हुए राष्ट्राध्यक्षें की होती है। 26 जनवरी 1950 से शुरू हुई भारतीय गणतंत्र की यात्रा अनेक उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रही है। फिर भी, भारत ने संसार में सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है। इसका बड़ा कारण यही है कि हमारा संविधान लोक मानस से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। संविधान के माध्यम से हमने एक लोककल्याणकारी राज्य के सर्वोत्तम स्वरूप को साकार किया है। संविधान में इसीलिए व्यावहारिक मौलिक अधिकार, कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व दिए गए हैं, उन सभी को स्वीकार करते हुए निरंतर इसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा पर बल है। संविधान इसी की हमें निरंतर प्रेरणा देता है। भारतीय संविधान समता आधारित ऐसी व्यवस्था है, जिसमें सभी को निर्भय रहते उच्च आदर्शों का जीवन जीने पर जोर दिया गया है।

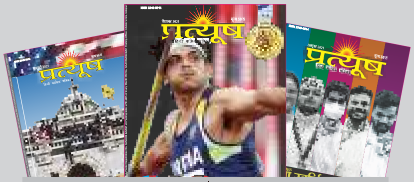

प्रत्यूष

कैसा लगा यह अंक

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

pankajkumarsharma2013@gmail.com

धर्म, दर्शन, विज्ञान और प्रकृति का मिलन

मकर संक्रान्ति

सम्पूर्ण भारत में मकर संक्रांति को किसी न किसी रूप में मनाया ही जाता है। इस दिन दान-पुण्य, पवित्र कुण्ड, सरोवर तथा सरिताओं में स्नान का विशेष महत्व है। यह धर्म, दर्शन, विज्ञान और प्रकृति मिलन का पर्व है। पौष मास में सूर्य धनु राशि का त्याग कर मकर राशि में प्रवेश करते है, तभी यह संक्रांति होती है। इसी दिन से सूर्य की उत्तरायण गति भी प्रारंभ होती है। यह पर्व विशेष साधना का है। इसमें मात्र एक घंटे की गायत्री साधना अमृत सिद्धि के द्वार खोल देती है।

पीयूष शर्मा

हमारे मुनियों, महात्माओं ने अंतर्ग्रही प्रवाहों की गति को देख-परख कर पर्वों का निर्धारण किया था। यह निर्धारण करते समय उन्होंने मुख्य: चार बातों पर ध्यान दिया था। पहली उत्तरायण, दक्षिणायन की गोलार्द्ध स्थिति, दूसरी चन्द्रमा की घटती-बढ़ती कलाएं, तीसरा नक्षत्रों का भूमि पर आने वाला प्रभाव तथा चौथा-सूर्य की अंश किरणों का मार्ग। इन सब का शरीरगत ऋतु अग्नियों के साथ संबंध होने से क्या परिणाम होता है, मन की गति इनके अनुसार किस तरह परिवर्तित होती है ? इन सूक्ष्म तत्वों का पर्वों के निर्धारण से गहरा संबंध है। इनका मनुष्य के जीवन और मूल्यों से भी गहरा संबंध है। इस अवधि में सूर्य बहुत ही तेजस्वी, प्रतापी होता है, इस कारण सूर्य संबंधी सभी पवों का हमारे जीवन की आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक घटनाओं का विशेष महत्व है। सूर्य का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि उसकी गति उत्तरायण की ओर बढ़ती है और ऐसा प्रतीत होता है कि ईश्वर हम सब को चेता रहा है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' तुम और ऊंचाई की तरफ बढ़ो। अंधकार को छोड़ प्रकाश की ओर बढ़ो। पर्वों के विधि-विधान इस सत्य को ध्यान में रख कर ही बनाए गए थे। इस क्रम में मकर संक्रांति को सूर्य (सविता) के अमृत तत्व के अवगाहन (निमज्जन) पर्व की संज्ञा दी गई है। शास्त्रकारों के मत से इस पर्व की खोज छान्दोग्य उपनिषद में वर्णित मधुविधा के प्रवर्तक महर्षि प्रवाहण ने की थी। उन्होंने अपनी साधना के अनन्तर इसी दिन पंचम अमृत को उपलब्ध किया था। वेदवेत्ता मनीषियों के अनुसार शरदकाल के दौरान वातावरण में सूर्य के अमृत तत्व की प्रधानता रहती है। मकर संक्रांति के अवसर पर शीत अपने यौवन पर होता है। शाक, फल, वनस्पतियां इस अवधि में अमृत तत्व को अपने में सर्वाधिक आकर्षित करती एवं पुष्टिकर बनाती हैं। शीत के प्रतीकार तिल, तेल, तूल (सई) बताए गए हैं। इनमें तिल मुख्य हैं। इसलिए पर्व के सब कृत्यों में तिलों के प्रयोग की विशेष महिमा है। साधना विज्ञान के मर्मज्ञों एवं दिव्य दृष्टा , ऋषियों के अनुसार शिशिर ऋतु में माघ मास का महत्व सबसे अधिक है। इसी कारण वैदिक काल में इस महीने का उपयोग प्राय: सभी लोग आध्यात्मिक साधनाओं के लिए करते थे। यह परम्परा रामायण काल एवं महाभारत काल तक अबाध रूप से प्रचलित रही। रामायण काल में तीर्थराज प्रयाग में महर्षि भारद्वाज का आश्रम एवं साधना-आरण्यक था। उनके सानिध्य में माघ महीने में भारतभर के धर्म जिज्ञासु वहां साधक एकत्रित होते और एक मास का कल्पवास तथा चन्द्रायण तप के साथ मधुविधा की साधना करते थे।

महाभारत में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति तक का इंतजार

किया था। माना जाता है कि इस दिन देह त्यागने से मनुष्य बार-बार के जन्म और मृत्यु के बंधन से छुटकारा पा जाता है। वह परम ब्रह्म को प्राप्त हो जाता है।

तमिलनाडु में मकर संक्रांति को पोगल के नाम से जानते है। जबकि राजस्थान, कर्नाटक, केरल और आंध्रप्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते है। इन सभी प्रदेशों में संक्रांति या पोगल के दिन नए चावल के खाने का रिवाज है जो कि कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसा उत्तर भारत में खिचड़ी का। पूरे उपमहाद्वीप में सबसे बड़ा मकर संक्रांति का स्नान पश्चिम बंगाल के गंगा सागर में होता है। इस दिन गंगा सागर एक दिन के लिए तीर्थराज प्रयाग का पर्याय बन जाता है और सुबह सूर्य की किरणों के निकलने के पहले तक लाखों लोग स्नान कर चुके होते हैं। संक्रांति के दिन गंगा सागर का द्वीप जन समुद्र में परिवर्तित हो जाता है। इस दिन लोग अपनी धार्मिक आस्था और विश्वास के मुताबिक तीर्थस्थलों में स्नान करके दान देते हैं। दान देने के बाद तिल, घी, मिष्ठान और कन्दमूल खाते है। पूरे भारत में लोग स्थानीय नदियों और पवित्र सरोवरों में डुबकी लगाते हैं।

उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश में यह मुख्य रूप से दान का पर्व है। प्रयागराज में यह पर्व माघ मेले के नाम से जाना जाता है। 14 जनवरी से प्रयागराज में हर साल माघ मेले की शुरूआत होती है। 14 दिसम्बर से 14 जनवरी तक का समय खर मास के नाम से जाना जाता है। पहले इस समयावधि में शुभ कार्यों को अंजाम देने से बचा जाता है, लेकिन अब समय बीतने के साथ इस मान्यता में थोड़ी कमी आई है, क्योंकि अपनी व्यस्त जीवनशैली के कारण लोग इतने दिन महत्वपूर्ण कामों को अंजाम दिए बिना नहीं रह पाते। बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्व और उड़ीसा में भी मकर संक्रांति के दिन आमतौर पर चावल खाने का चलन है, चाहे खिचड़ी के रूप में और चाहे किसी और रूप में। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चूड़ा, गो, सुवर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि का दान दिया जाता है।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

शंकर पंजाबी, डायरेक्टर
M.: 99502 09919
O.: 0294-2415323

महेश किराणा एण्ड जनरल स्टोर
किराणा, ड्रायफ्रूट एवं जनरल मर्चेन्ट

न्यू सर्कल, देहलीगेट बाहर
बापू बाजार, उदयपुर (राज.)

साक्षी की तलाश ही अध्यात्म है - ओशो

यह बात समझ लेना उपयोगी ही होगा कि अध्यात्म कोई अनुभव नहीं है। दुनिया में सब जीचें अनुभव हैं, अध्यात्म कोई अनुभव नहीं हैं। अध्यात्म तो उसकी ओर पहुंच जाना हैं, जिसको सब अनुभव होता है और जो स्वयं कभी अनुभव नहीं बनता - अनुभोक्ता, साक्षी, द्रष्टा।

एक तत्व है हमारे भीतर दर्शन का, दृष्टि का, द्रष्टा का, देखने का। हम देख रहे हैं, वही है साक्षी, जो दिखाई पड़ रहा है, वही है जगत। अध्यास का अर्थ है कि जो देख रहा है, वह भूल से यह समझ लेता है कि जो दिखाई पड़ रहा है, वह मैं हूं। यह अध्यास (मिथ्या ज्ञान) है। देखे वाला सदा ही अलग है उससे, जो दिखाई पड़ता है। दोख्रे वाला सदा ही दिखाई पड़ने वाले से भिन्न है। उसको ही अपने से अभिन्न समझ लेना अध्यास है। इस भ्रांति को तोड़ना है और अंततः उस शुद्ध तत्व को खोज लेना है, जो सदा ही देखने वाला है और कभी दिखाई नहीं पड़ता।

यह थोड़ा कठिन है। जो देखने वाला है, वह कभी दिखाई नहीं पड़ सकता, क्योंकि वह किसको दिखाई पड़ेगा? आप सारी चीजों को देख सकते हैं जगत की, सिर्फ अपने को छोड़ कर। कैसे देखिएगा? यह ऐसा ही है कि किसी चिमटे से हम उसी चिमटे को पकड़ने की कोशिश करने लगें! सब पकड़ सकते हैं उस चिमटे से, सिर्फ उसी चिमटे को पकड़ने की कोशिश असफल जाएगी। हम सब कुछ देख लेते हैं, अपने को नहीं देख पाते। देख भी नहीं पाएंगे और जिसको भी हम देख लेंगे, जान लेना कि वह हम नहीं हैं। तो जिस चीज को भी आप देखने में समर्थ हो जाएं, आप समझ लेना कि इतनी बात तय हो गई कि यह मैं नहीं हूं। कोई आदमी अगर ईश्वर का दर्शन कर ले, तो समझ लेना एक बात पक्की हो गई कि आप ईश्वर नहीं हैं। आपको भीतर प्रकाश का दर्शन हो जाए, तो समझ लेना एक बात पक्की हो गई कि आप प्रकाश नहीं हैं। जिस चीज का भी अनुभव होता है। तो जो भी चीज अनुभव बन जाती है। उसके आप पार हो जाते हैं।

> **जब** कोई भी अनुभव नहीं होता और कोई दर्शन नहीं होता और कोई दिखाई नहीं पड़ता और कोई विषय नहीं रह जाता और जब साक्षी अकेला रह जाता है, तब कठिनाई है भाषा में कहने की। क्योंकि हमारे पास अनुभव के सिवाय कोई शब्द नहीं हैं। इसलिए इसे हम कहते हैं आत्म-अनुभव, लेकिन अनुभव शब्द ठीक नहीं है: क्योंकि अनुभव उस दुनिया का शब्द है, जिसको हमने तोड़ डाला।

आपको मैं देखता हूं, उधर आप हैं, इधर मैं हूं, । उधर आप हैं, जो दिखाई पड़ रहा है, इधर मैं हूं, जो देख रहा है। ये दो हैं। अपने को बांटने का कोई उपाय नहीं है कि मैं अपने को दो टुकड़ें में कर लूं, और एक देखे और एक दिखाई पड़े। अगर टुकड़ा हो सके- दो टुकड़े हो सके-तो जो टुकड़ा देखेगा, वही मैं हूं, और जो टुकड़ा दिखाई पड़ेगा, वह मैं नहीं रहा। यह बात समाप्त हो गई। वह मुझसे छूट गया। वह अलग हो गया।

उपनिषद की व्यवस्था, प्रक्रिया, विधि यही है: नेति-नेति। जो भी दिखाई पड़ जाए, कहो कि यह भी नहीं। जो भी अनुभव में आ जाए, कहो यह भी नहीं। और हटते जाओ पीछे, हटते जाओ पीछे। उस समय तक हटते जाओ, जब तक कि कोई भी चीज इनकार करने को बाकी रहे।

एक ऐसी घड़ी आती है, सब अनुभव गिर जाते हैं..सब। ध्यान रखना, सब। कामवासना का अनुभव तो गिरता ही है, ध्यान का अनुभव भी गिर जाता है। संसार के राग-द्वेष के अनुभव तो गिर ही जाते हैं, आनंद, समाधि, इनके भी अनुभव गिर जाते हैं। बच रहता है खालिस देखने वाला। कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता, शून्य हो जाता है चारों तरफ रह जाता है खाली आकाश। बीच में खड़ा रहा जाता है द्रष्टा, उसे कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता: क्योंकि उसने सब इनकार कर दिया। जो भी दिखाई पड़ता था, हटा दिया मार्ग से। अब उसे कुछ भी अनुभव नहीं होता। हटा दिए सब अनुभव। अब बच रहा अकेला, जिसको अनुभव होता था।

अनुभव उस द्वैत की दुनिया में अर्थ रखता है, जहां दूसरा भी था। यहां सिर्फ अनुभोक्ता बचा, साक्षी बचा। इस साक्षी की तलाश ही अध्यात्म है। और थोड़ा भीतर प्रवेश करें। आप सुन रहे हैं, मैं बोल रहा हूं, साक्षी वह है जो दोनों का अनुभव कर रहा है कि बोला जा रहा है, सुना जा रहा है। जब आपकी चेतना का तीर दोहरा हो जाता है। तो तत्क्षण आप तीसरे बिंदु पर खड़े हो जाते हैं। आपस तीसरे हो गए, तीसरा बिंदु। वह जो तीसरा बिंदु है, वह साक्षी है। इस तीसरे के पार नहीं जाया जा सकता। यह तीसरा आखिरी बिंदु है। और यह है त्रिकोण जीवन का। दो बिंदु विषय और विषयी। और तीसरा बिंदु दोनों का साक्षी, दोनों का अनुभव करने वाला दोनों को भी देख लेने वाला, दोनों का भी गवाह।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद जैन
डायरेक्टर
9928414567

नितेश - 8529701185
मनोज - 7976811911

जैन ट्रान्सपोर्ट कम्पनी®

बुकिंग एवं डिलेवरी ऑफिसः Mob.: 7823865656, 9414702556
100 फीट रोड, शोभागपुरा, ज्योति नगर के पास, उदयपुर- 313 001

बुकिंग ऑफिसः डी-ब्लॉक, सब सिटी सेंटर, उदयपुर मोः 9351536133

बुकिंग ऑफिसः 3-छतरी वाला चौक, देहलीगेट अंदर, उदयपुर फोनः 0294-2423301
9530209256

जोधपुर
बुकिंगः 58, ट्रक टरमिन्स, बासनी (राज.) फोनः 0291–2634934
बुकिंगः J–9–1, कृषि उपज मण्डी, मंडोर रोड, जोधपुर
डिलीवरीः 92, ट्रक टरमिन्स, बासनी, फोनः 6375173822

पाली
C/o महादेव ट्रांसपोर्ट कम्पनी, B–38–39, ट्रांसपोर्ट नगर, पाली
मो.: 9982029781, 9462768171, फोनः 02932–223239

डूंगरपुर
हॉस्पीटल सर्कल, RSEB क्वाटर के पास, डूंगरपुर – 314001
मो.: 7297839339, 7357266566

भीलवाड़ा
प्लॉट नं. 123–124, संत कंवर राम ट्रांसपोर्ट के पीछे, ट्रांसपोर्ट नगर,
भीलवाड़ा (राज.) मो.: 09530343336

ब्यावर
गणपति ट्रांसपोर्ट क., अजमेरी गेट के बाहर,
ब्यावर, मो.: 9314355808, फोनः 01462–258976

बांसवाड़ा
गली नं. 3, रिजर्व पुलिस लाईन के सामने, दाहोद रोड़, बांसवाड़ा
मो.: 9461573735, 7357882729

डेली सर्विस

उदयपुर से नाथद्वारा, कांकरोली, राजनगर, केलवा, गोमती, आमेट, देवगढ़, भीम, ब्यावर, कुंवारिया, गंगापुर, कोशीथल, रायपुर, करेड़ा, आसिंद, बदनोर, भीलवाड़ा, मावली, फतेहनगर, कपासन, भोपालसागर, चित्तौड़, बेगु, बस्सी, चंदेरिया, निम्बाहेड़ा, भीण्डर, कानोड़, छोटी सादड़ी, बड़ी सादड़ी, धरियवाद, प्रतापगढ़, मंदसौर, नीमच बांसवाड़ा, खेरवाड़ा, डूंगरपुर, सिमलवाड़ा, सागवाड़ा, परतापुर, बिछीवाड़ा पाली, जोधपुर, बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जालोर।

न आए नौबत अब किसान आंदोलन की

जगन्नाथ झालावत

केन्द्र सरकार से अपनी मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने 9 दिसम्बर को आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की और आंदोलनकारियों ने 11 दिसम्बर से दिल्ली की तीनों सीमाओं (सिंधु, टीकरी और गाजीपुर) से हटना शुरू कर दिया और दो-तीन दिन में सभी बंद रास्ते खोल दिए। मोर्चा 15 जनवरी को सरकार द्वारा मांगें पूरी किए जाने के प्रयासों की समीक्षा करेगा। सरकार द्वारा किसानों पर मुकदमें वापस लेने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर समिति बनाने समेत अन्य मांगों पर विचार के लिए सहमति जताने के बाद धरना स्थगित किए जाने की घोषणा हुई। आंदोलन स्थगित होने से एक साल से बंद सड़कें खुलने से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा तथा उससे जुड़े मार्गों पर आवाजाही फिर से सुगम हो गई। केन्द्र सरकार ने 29 नवम्बर 21 को लोकसभा और राज्यसभा में पिछले वर्ष पारित तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी। सरकार के आश्वासन से किसान संतुष्ट और उत्साहित हैं।

उनके मन में अब किसी तरह की कड़वाहट नहीं है। पिछले एक साल तक जिस तरह सरकार और किसानों के बीच तनातनी, तल्खी, अविश्वास और जोर-आजमाइश का वातावरण बना हुआ था अब वह पिघल चुका है। सरकार ने भी आखिरकार लचीला रूख अपनाते हुए किसानों की हर मांग मानी और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने का प्रयास किया। उसने तीनों कानूनों को तो संसदीय प्रक्रिया के तहत वापस ले ही लिया, पराली जलाने, बिजली बिल, न्यूनतम समर्थन मूल्य, किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने और आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों को मुआवजा देने संबंधी मांगों को भी मान लिया।

नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन खत्म हो गया। मगर सवाल बना हुआ है कि इस आंदोलन से क्या देशभर के किसानों को लाभ पहुंचा? अच्छी बात है कि पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाकों में अब न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदारी सुनिश्चित की जाएगी, लेकिन उन राज्यों का क्या, जहां एमएसपी तो दूर की कौड़ी है, बाजार तक सही ढंग से काम नहीं कर रहे?

कब क्या हुआ

17 सितम्बर 2020: लोकसभा में पास हुए तीन कृषि कानून
26 नवम्बर: दिल्ली की सीमाओं पर डटे विभिन्न राज्यों से आए किसान
8 दिसम्बर: किसानों ने पहली बार भारत बंद रखकर विरोध जताया
26 जनवरी 2021: राजधानी में ट्रैक्टर रैली के दौरान उपद्रव
19 नवम्बर: प्रधानमंत्री ने कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया।
29 नवम्बर: संसद ने तीनों कृषि कानून को निरस्त कर दिया।

बिहार, झारखण्ड के किसान तो इसी वजह से अब सड़कों पर उतरने की तैयारी में हैं। सरकार को कृषि सुधारों पर गंभीरता से विचार करना होगा। इस आंदोलन की वजह से जान-माल का बहुत नुकसान हुआ है, बेशक किसानों के साथ ज्यादातर लोगों को सहानुभूति है, लेकिन किसान नेताओं की भी प्राथमिकता होनी चाहिए कि उनके आंदोलन से आम आदमी को परेशानी न हो। सरकार और किसानों को इस बात की कोशिश करनी चाहिए कि भविष्य में जो भी कानून बने, मिल-जुलकर सलाह-मशविरे के बाद ही बने। इस आंदोलन से किसानों को एकजुटता का जो सबक मिला है, यह भविष्य में उनकी अन्य समस्याओं को सुलझाने में मददगार बनेगा। केवल केन्द्र सरकार ही क्यों, राज्य सरकारों पर भी यह दबाव रहना चाहिए कि वे कृषि और कृषक हित में अपने स्तर पर समुचित उदारता बरतें। सरकारों के कामकाजों का तरीका ही ऐसा होना चाहिए कि ऐसे किसी आंदोलन की नौबत ही न आए। सरकार ने किसानों को जो आश्वासन दिया है, उसकी अक्षरश: क्रियान्विति सुनिश्चित करने के साथ ही यह भी देखना होगा कि सारे देश के कृषि क्षेत्र को उनका लाभ मिले ताकि वे मात्र खेतीहर मजबूर ही बनकर न रह जाएं। संसद द्वारा पारित कानूनों की वापसी को लेकर इस बात पर ध्यान देना होगा, कि भविष्य में कोई भीड़ लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित न कर पाएं।

सामान्य ज्ञान

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण राजस्थान से जुड़े कुछ सवाल

1. राजस्थान का सबसे शुष्क स्थान कौनसा है?
2. राजस्थान में डूंगरपुर और बांसवाड़ा को पृथक करने वाली नदी है?
3. राजस्थान में बरेठा बांध कहां स्थित है?
4. चूलिया प्रपात किस नदी पर स्थित है?
5. लूनी नदी का उद्‌गम स्थल कहां है?
6. राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक वन हैं?
7. रेगिस्तान वनरोपण और भू संरक्षण केन्द्र कहां स्थित है?
8. खनन क्षेत्र में होने वाली आय की दृष्टि में राजस्थान का देश में कौनसा स्थान है?
9. राजस्थान में सीसे की सबसे बड़ी खान कहां स्थित है?
10. राजस्थान में काला पत्थर बहुतायत में कहां पाया जाता है?
11. देश का कितना प्रतिशत एस्बेस्टस राजस्थान की खदानों से प्राप्त होता है?
12. मरूस्थल विकास कार्यक्रम कब आरंभ हुआ?
13. बनी-ठनी पेंटिंग शैली का संबंध किस शहर से है?
14. राज्य पक्षी का नाम क्या है?
15. पीला इमारती पत्थर राज्य के किस जिले में पाया जाता है?
16. राजस्थान में मेगनीज का सबसे बड़ा उत्पादक जिला कौन सा है?
17. बीकानेर के 'राठौरान की ख्याल' के लेखक हैं?
18. राजस्थान का सर्वाधिक फेल्सपार किस जिले से प्राप्त होता है?
19. जीण माता मंदिर किस नगर में स्थित है?
20. सर्वाधिक विक्रय मूल्य अर्जित करने वाला राजस्थान का खनिज कौन सा है?

(उत्तर अन्य पृष्ठ पर देखें)

बिना सोचे-समझे न खाएं ज्यादा प्रोटीन

डॉ. अनिता शर्मा

प्रोटीन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है, किंतु कई बार प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा हानिप्रद भी हो सकती है। प्रोटीन के प्राकृतिक स्रोतों को नज़रअंदाज कर दवाओं पर निर्भरता बढ़ाना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। आइये, जानें कि प्रोटीन कब, कैसे लें और क्या सावधानी बरतें।

प्रोटीन का मुख्य कार्य शरीर का निर्माण करना और उसकी मरम्मत करना होता है। हमारी आवश्यकता की कुल कैलोरी 20–35 प्रतिशत प्रोटीन से आनी चाहिए। हालांकि प्रतिदिन कितनी मात्रा में प्रोटीन का सेवन किया जाए, यह उम्र, भार और आपके वर्कआउट रूटीन पर निर्भर करता है। एक ग्राम प्रोटीन में चार कैलोरी होती है। अगर आप सोचते हैं कि प्रोटीन का सेवन करने से आपको मांसपेशियों को बनाने में सहायता मिलेगी तो दुबारा सोचिए। बिना सोचे-समझे अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन आपको फायदे के बजाए नुकसान पहुंचा सकता है।

कितना उपयोगी है प्रोटीन

प्रोटीन शरीर का निर्माण करने वाले तत्वों में सबसे महत्वपूर्ण है। इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं, ऊतकों की मरम्मत होती है। प्रोटीन को हमारे शरीर के लिए सबसे जरूरी मैक्रोन्यूट्रिएंस में से एक माना जाता है। मैक्रोन्यूट्रिएंट्स उसे कहते हैं, जिनकी हमारे शरीर को अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है। मानव शरीर का 16 प्रतिशत प्रोटीन होता है। प्रोटीन हमारे बालों, त्वचा, मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है। हमारे शरीर में पाए जाने वाले कई ऐसे रसायनों में भी प्रोटीन पाया जाता है, जिनमें हार्मोन, न्यूरोट्रांसमीटर और एंजाइम भी शामिल हैं।

वजन कम करने में सहायक

प्रोटीन पचाने में अधिक समय लगता है। इसका सीधा अर्थ है, इस प्रक्रिया में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। यह आपके पेट में ज्यादा समय तक बना रहता है। पेट अधिक समय तक भरा रहेगा तो इससे आपको कम खाने और वजन कम करने में सहायता मिलेगी।

हड्डियों और ऊतकों को रखे स्वस्थ

प्रोटीन हृदय और फेफड़ों के ऊतकों को भी स्वस्थ रखता है। ऊतकों और मांसपेशियों के स्वास्थ्य के अलावा हड्डियो, लिगालेंट्स और दूसरे संयोजी ऊतकों को स्वस्थ रखने के लिए भी शरीर को प्रोटीन की आवश्यकता होती है। प्रोटीन की कमी से हड्डियां और ऊतक कमजोर, कड़े और आसानी से टूटने वाले हो जाते हैं। प्रोटीन महिलाओं के लिए एक अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है। मेनोपॉज के बाद जिन महिलाओं के भोजन में प्रोटीन की मात्रा कम होती है, उनमें ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

सोयाबीन है प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत

सोयाबीन में जितने आवश्यक अमीनो अम्ल पाए जाते हैं, उतने किसी अन्य पादप उत्पाद में नहीं मिलते हैं। सोयाबीन के अलावा ये अमीनो अम्ल सिर्फ मांस में ही पाया जाता है। इसी कारण सोयाबीन को शाकाहारियों का मांसाहार भी कहा जाता है। वैसे वसायुक्त प्रोटीन के स्रोत के मुकाबले सोयाबीन प्रोटीन का ज्यादा बेहतर स्रोत है। प्रतिदिन पचास ग्राम सोयाबीन के सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर 3 प्रतिशत तक कम हो जाता है। हाल में हुए शोधों में इस बात के स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि सोयाबीन में पाया जाने वाला प्रोटीन शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को उसी प्रकार कम करता है, जिस प्रकार कॉलेस्ट्रोल कम करने वाली औषधियां करती हैं। सोयाबिन के अलावा अंडा, पनीर, दूध, दाल, मूंगफली, ड्राईफ्रूट्स, चिकन, मछली आदि भी प्रोटीन के लाभकारी स्रोत हैं।

शरीर की कार्यप्रणाली को रखे दुरूस्त

प्रोटीन शरीर के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए जरूरी है। यह हमें ऊर्जा देता है, इम्यून तंत्र को शक्तिशाली बनाता है, शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है और शरीर का पीएच स्तर बनाए रखता है। प्रोटीन ऊर्जा का ऐसा स्रोत है, जिसे तोड़ना शरीर के लिए मुश्किल है। ऊर्जा के दूसरे स्रोत जैसे कार्बोहाइड्रेट जल्दी और आसानी से टूट जाते हैं। प्रोटीन आपके ऊर्जा के स्तर को एक समान बनाए रखता है और पूरे दिन भूख को नियंत्रित रखता है। प्रोटीन मूड भी ठीक रखता है और तनाव के स्तर को कम करता है।

बालों को त्वचा को बनाए स्वस्थ और चमकदार

दूसरे अंगों और हड्डियों की तरह त्वचा, बाल और नाखून भी प्रोटीन के बने होते है। प्रोटीन का कम मात्रा में सेवन करने से त्वचा की खुद की मरम्मत करने की क्षमता कम हो जाती है। बिना कोलेजन के त्वचा झुर्रियों वाली, ढीली हो जाती है। कोलेजन त्वचा को युवा, स्वस्थ और मजबूत बनाता है। बालों और नाखूनों में केराटिन नामक प्रोटीन होता है। यह बालों को मजबूत लचीला और चमकदार बनाता है। बालों, त्वचा और नाखूनों को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने के लिए प्रोटीन से भरपूर खाना खाएं।

नुकसानदेह है ज्यादा प्रोटीन

अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन नुकसानदेह है। कुल कैलोरी का 30 प्रतिशत से अधिक प्रोटीन शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इससे शरीर में कीटोन की मात्रा बढ़ जाती है, जो एक विषैला पदार्थ है। इस कीटोन को शरीर से बाहर निकालने के लिए शरीर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। जो लोग अत्यधिक मात्रा में मांस से प्रोटीन का सेवन करते हैं, उनमें कोलेस्ट्रोल का स्तर बढ़ जाता है, जिससे हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। भोजन में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने से कार्बोहाइड्रेट का सेवन कम हो जाता है, जिससे शरीर को फाइबर भी कम मिलता है और कब्ज की समस्या हो जाती है।

कितने प्रोटीन की जरूरत है

प्रोटीन की आवश्यकता आपके भार और आपके कैलोरी इनटेक पर निर्भर करती है। आपकी कुल कैलोरी का 20 से 35 प्रतिशत प्रोटीन से आना चाहिए।

CENTURYPLY

Girish Maheshwari
Mob.: 99280-35657
99280-35658

Century Plyboards (I) Limited

Maheshwari Brothers

Brij Bhawan, 385, I-1 Road, Bhupalpura,
Near Maharashtra Bhawan, Udaipur (Raj.)
E-mail: girishm421@gmail.com

क्रांतिवीर शहीद उधमसिंह

अविनाश शर्मा

13 अप्रैल 1919 के जलियांवाला बाग काण्ड ने उधमसिंह को आक्रोश से भर दिया था। रोलट एक्ट के विरोध में यहां हुई सभा में उधमसिंह भी शामिल थे। अंग्रेजों ने जनरल डायर के नेतृत्व में निहत्थे सैकड़ों राष्ट्रभक्तों को गोली से भून दिया था। उधमसिंह ने इसका बदला लेने की प्रतिज्ञा की, जिसे उन्होंने 21 साल बाद जनरल डायर के सीने में गोलियां उतार कर पूरा किया।

महान क्रांतिकारी और देशभक्त शहीद उधमसिंह का जन्म पंजाब के सगरूर जिला के सुनाम ग्राम में 26 जनवरी 1899 को एक निर्धन परिवार में हुआ था। बचपन में उन्हें शेरसिंह के नाम से पुकारा जाता था। पिता टहलसिंह रेलवे कर्मचारी थे। बचपन में ही उनके माता-पिता का देहांत हो गया था जिसकी वजह से उन्हें केन्द्रीय खालसा अनाथालय (अमृतसर) में रहना पड़ा।

जलियांवाला बाग कांड ने उन्हें आक्रोश से भर दिया था। 13 अप्रैल, 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग में अंग्रेजी शासन द्वारा लागू रोलट एक्ट का विरोध करने के लिए हजारों की संख्या में लोग जमा हुए। इसी सभा में 19 साल के उधमसिंह भी थे। तब अंग्रेजों ने जनरल डायर के नेतृत्व में सैकड़ों निहत्थे लोगों को गोलियों से भून दिया। अचानक घटी इस घटना के बाद लोग जान बचाने के लिए भागे, लेकिन अंग्रेजों की गोलियों का शिकार बन गए। इस क्रूरता को देखकर उधमसिंह की आंखों में खून उतर आया था। तब उन्होंने प्रतिज्ञा की, कि चाहे जैसे भी हालात हों, जो भी यातनाएं सहनी पड़ें, इस अत्याचार का वे बदला जरूर लेंगे। इस प्रकार उन्होंने अपनी गतिविधियां तेज कर दी और क्रांतिकारियों की राह पर निकल पड़े। शीघ्र ही उन्होंने भारत से अमेरिका प्रस्थान किया, जहां उन्हें बब्बर अकालियों की क्रांतिकारी गतिविधियों की जानकारी मिली।

स्वदेश वापसी पर रिवाल्वर रखने के जुर्म में वे अमृतसर में गिरफ्तार कर लिए गए और साइन बोर्ड पेंटिंग का काम करने लगे। यहां उन्होंने अपना नाम राम मोहम्मदसिंह आजाद

रख लिया और इसी नाम का प्रयोग उन्होंने लंदन में किया। उन्हीं दिनों वे शहीद भगतसिंह और रामप्रसाद बिस्मिल के गीतों के दीवाने बन गए। उधमसिंह को हमेशा अपनी प्रतिज्ञा याद रही, हालांकि उन्हें इसकी वजह से काफी तकलीफ भी उठानी पड़ी। भारत से मजदूर के तौर पर दक्षिण अफ्रीका गए और अमेरिका जाने के लिए कोयला झोंकने वाले तक की नौकरी भी की। आखिरकार उधमसिंह को जिस मौके का इंतजार था वह मिल ही गया। 11 मार्च 1940 को उधमसिंह को खबर मिली कि जनरल ओ. डायर 13 मार्च को लंदन के विक्टोरिया स्टेशन के पास कैक्स्टन हॉल के ट्यूडर कक्ष में भाषण देने वाला है। यह सूचना मिलने पर उधमसिंह ने वहीं जाकर जनरल डायर को मारने का निर्णय कर लिया। डायर के भाषण के दौरान ही उधमसिंह का खून खौल उठा। 21 साल पहले का जलियांवाला बाग का नरसंहार उनकी आंखां में घूम गया। बस फिर क्या था उन्होंने कई गोलियां डायर के सीने में उतार दी। डायर वहीं ढेर हो गया। हॉल में चारों तरफ कोहराम मच गया। उधमसिंह चाहते तो आसानी से भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया बल्कि यह कहते हुए कि मैंने यह काम अपने देश के लिए किया है, खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। चार अप्रैल 1940 को डायर की हत्या के आरोप में उधमसिंह पर कार्रवाई शुरू हुई। तब कई देशभक्तों ने उनसे सम्पर्क साधा और मदद के लिए आगे आए, लेकिन उन्होंने मदद को पूरी विनम्रता के साथ अस्वीकार कर दिया। 31 जुलाई 1940 को लंदन के पेंटोनविला जेल में उधमसिंह को फांसी दे दी गई। भारत के इस सपूत और उसकी शहादत को उनके जयंती माह पर देश नमन करता है।

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

श्रद्धांजलि

जन्म :
2 फरवरी 1931

निधन :
30 जनवरी 2016

उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल भोमट (झाड़ोल-फ.) क्षेत्र में घर-घर
शिक्षा की अलख जगाने वाले सरलमना, प्रेरक व्यक्तित्व, कीर्तिशेष

श्रीयुत पं. जीवतरामजी शर्मा

(संस्थापक, राजस्थान बाल कल्याण समिति)
की द्वितीय पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि।

श्रद्धावनत :

राजस्थान बाल कल्याण समिति परिवार।

प्रत्यूष

भारत-रूस शिखर वार्ता-21

रिश्तों और रणनीतिक साझेदारी में मजबूती

दिनेश राजपुरोहित

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की दिसम्बर - 21 के प्रथम सप्ताह में अपनी एक दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी प्रगाढ़ हुई है। भारत-रूस के प्रतिनिधि मण्डलों की बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों के साथ कुल 28 समझौतों पर सहमति बनी। सबसे बड़ा समझौता एके-203 असाल्ट राइफल के निर्माण पर हुआ। उत्तरप्रदेश के अमेठी कस्बे में 6 लाख से अत्याधुनिक एके-203 असाल्ट राइफलों के निर्माण का कारखाना स्थापित होगा, जिसमें रूस के सहयोग से संयुक्त निर्माण होगा। इसके अलावा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में छोटे व बड़े हथियारों पर आधारित सैन्य सहयोग जारी रखने और सैन्य सहयोग की अवधि 2021 से बढ़ाकर 2031 तक करने का भी समझौता हुआ।

रूस और भारत बहुत पुराने मित्र हैं और कठिन वक्त में रूस भारत के काम आया है, जैसा कि पुतिन के साथ मुलाकात के वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेख भी किया कि किस तरह कोविड के समय रूस ने हमारी मदद की। दोनों नेताओं की अकेले में हुई बातचीत के बाद 6 दिसम्बर को एक वक्तव्य में राष्ट्रपति पुतिन ने भारत को एक बहुत बड़ी शक्ति, एक विश्वसनीय राष्ट्र और वक्त की कसौटी पर खरा उतरा मित्र बताया।

भारत-रूस शिखर वार्ता कई मायनों में भारत के लिए महत्वपूर्ण है। सबसे महत्वपूर्ण रूस के साथ रक्षा सहयोग को अगले दस सालों के लिए विस्तारित किया जाना है। इससे कई दशकों से चली आ रही भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी मजबूत होगी। यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका से रक्षा संबंधों में संतुलन कायम रखते हुए भारत ने यह कदम उठाया है। शिखर वार्ता के जरिये यह संदेश भी गया है कि रूस के लिए भी भारत अहम है। विदेशी मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के रणनीतिक संबंध पहले की तुलना रूस से अधिक में मजबूत हुए हैं। दूसरी ओर अमेरिका की कोशिश रही है कि भारत रक्षा साजो समान अमेरिका से ही

खरीदे, लेकिन भारत ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि वह रूस या किसी भी अन्य देश के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों में किसी अन्य देश का दखल नहीं चाहता। इसलिए अमेरिका के तमाम विरोध के बावजूद भारत ने न सिर्फ रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीद के सौदे को मंजूरी दी, बल्कि जल्द उसकी आपूर्ति भी शुरू होने वाली है। अमेरिका ने इसे लेकर भारत को आर्थिक प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी थी। इस सिलसिले में रूस के लिए भी भारत का महत्व विवेचना के दायरे में आता है, क्योंकि भारत की अमेरिका से प्रगाढ़ता रूस के हितों के विरुद्ध है। भारत के साथ सहयोग बनाए रखना अमेरिका के प्रभुत्व को नियंत्रित करने के लिए रूस के लिए जरूरी है। विदेश नीति के जानकारों के अनुसार मौजूदा भू राजनीतिक परिस्थितियों में भारत की स्थिति अमेरिका के लिए भी महत्वपूर्ण है। इंडो-पेसेफिक क्षेत्र में भारत अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण साझेदार है। क्वाड में भारत की भूमिका अहम है। ऐसे में वह न चाहते हुए भी भारत-रूस के बीच हो रहे रक्षा समझौतों के विरुद्ध बड़ा कदम जैसे आर्थिक प्रतिबंध आदि लगाने की स्थिति में नहीं है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए अच्छी स्थिति यह है कि वह एक समुचित तालमेल के साथ रूस से अपनी पुरानी दोस्ती को और प्रगाढ़ करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जबकि अमेरिका के साथ भी उसके संबंध महतवपूर्ण बने रहेंगे।

जानकारों के अनुसार रूस से रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। एके-203 राइफल के अलावा भी रूस संयुक्त उपक्रमों के जरिये कई और रक्षा तकनीक भारत को हस्तांतरित करने के लिए तैयार हो सकता है। जबकि अमेरिका से ऐसी उम्मीद कम है। उत्तरप्रदेश और तमिलनाडु रक्षा कॉरीडोर के लिए भारत को निवेश के साथ-साथ तकनीक की भी जरूरत है, जिसे लेकर रूस से रक्षा करार का विस्तार बेदह कारगर साबित होगा। रूस ने निवेश बढ़ाने के भी संकेत दिए हैं। रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष में रहा है। उसने कई बार इसका समर्थन किया है। रूस ने अपने इस दृष्टिकोण को फिर से नई दिल्ली में दोहराया।

रूस-भारत की ताजा शिखर वार्ता से चीन की विस्तारवादी नीतियों को भी चुनौती मिलेगी, क्योंकि वह भी अफगानिस्तान में अपनी पैठ बनाए हुए है। रूस के साथ यह दोस्ती संयुक्त राष्ट्र में भी भारत की स्थिति मजबूत करेगी। न सिर्फ भारत के लिए बल्कि रूस के लिए भी पुतिन की यह यात्रा लाभदायक साबित होगी।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

कांतिलाल जैन
(ब्रह्मचारी)

0294-2410444
09414155797 (M)

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ ज्योतिष कार्यालय

जैन साधनानुसार हस्तरेखा, तंत्र–मंत्र के विशेषज्ञ

नाकोड़ा रूप भवन

167, रोड नं. 11, अशोक नगर, माया मिष्ठान के पास, उदयपुर–313001 (राज.)
मिलने का समय : दोपहर 3 से सायं 7 बजे तक

नाकोड़ा रूप भवन

Ph: 022-24123857, 093220-90220 (M)

ब्लॉक नं. 10, केलकर बिल्डिंग,
नयागांव के.ए. हाउसिंग सोसायटी,
प्लॉट नं. 60–बी,एस.एम. जाधव मार्ग,
कृष्णा हॉल के सामने, दादर (ईस्ट) मुम्बई–14

रविवार चौकी एवं आरती

मिलने का समय :
दोपहर 3 से
सायं 7 बजे तक

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
।। श्री कृष्णा ।।
।। श्री गणेशाय नम्ः ।।
।। ॐ हनुमन्ते नम्ः ।।
बीकानेर मावा भण्डार
BMB
घीदार मावा एवं मीठा मावा के विक्रेता
शादी पार्टी में मावा के आर्डर बुक किए जाते हैं।
4, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी स्कूल मार्ग, उदयपुर (राज.)
Mobile - 9468704600, 9782704600
हैड ऑफिस :- डी.एस. बीकानेर

गहलोत सरकार के 3 साल बेमिसाल

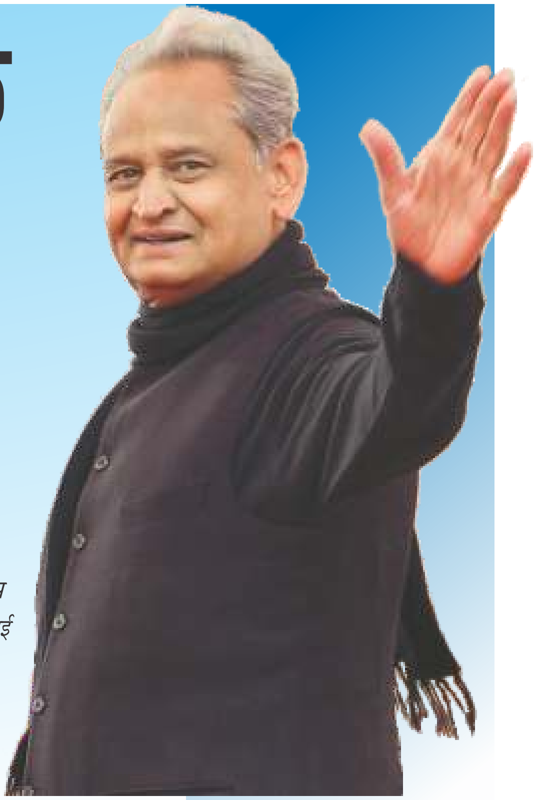

पंकजकुमार शर्मा

__राजस्थान__ में गहलोत सरकार ने 17 दिसम्बर 21 को अपनी तीसरी पारी के तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। कोरोना महामारी के इस दौर में भी गहलोत सरकार ने न केवल महामारी की चुनौती से बेहतर तरीके से निपटकर देश के समक्ष एक नजीर पेश की बल्कि आर्थिक संसाधनों की कमी के बावजूद राजस्थान की जनता को अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से विकास कार्यों की सौगात देने का काम भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को समृद्धि व विकास कार्यों में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार के सफल 3 वर्ष पूर्ण होने पर मैं हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि, स्वस्थ जीवन और चहुंमुखी विकास की कामना करता हूं. हम सब मिलकर राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं संकल्पबद्धता से अपने कदम बढ़ाएं
और मन, वचन व कर्म से इसमें सहभागी बनकर अपनी भूमिका निभाएं।

जन घोषणा पत्र को किया नीतिगत

राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने के साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनता से किए गए अपने चुनावी वादों के घोषणा पत्र को नीति दस्तावेज घोषित कर उन्हें पूरा करने की दिशा में काम किया। तीन साल का कार्यकाल पूरे होने के साथ ही राजस्थान सरकार ने अपने 70 प्रतिशत चुनावी वादे भी पूरे कर दिए।

बेहतरीन कोरोना प्रबंधन

कोरोना के प्रबंधन में राजस्थान पूरे देश में मॉडल स्टेट रहा, जिसकी दुनियाभर में सराहना हुई है। राजस्थान पहला राज्य रहा जिसने निकटवर्ती राज्यों के लोगों का भी मुफ्त इलाज किया। प्रदेश के तमाम सामाजिक, धार्मिक व स्वयंसेवी संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से विषम परिस्थितियों में ज़रूरतमंद लोगों की मदद की गई. किसी भी व्यक्ति को भूखा नहीं सोने दिया गया। राजस्थान सरकार ने इस दौरान 32 लाख निराश्रित परिवारों को प्रति परिवार 5500 रुपये की सहायता देकर उनके आर्थिक चक्र को बनाए रखने में बड़ी मदद की।

चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

राजस्थान देश का पहला राज्य है, जहां राज्य के तमाम नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की गई। इस योजना के जरिए 5 लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार सरकार दे रही है। सरकारी और निजी अस्पतालों को इसमें शामिल किया गया है। गंभीर रोगों के लिए भी यह बीमा योजना लोगों के लिए एक बड़ी उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है।

बेरोजगारों को नौकरी

सरकार युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में संवेदनशीलता से काम कर रही है। अब तक अलग-अलग विभागों में 1 लाख से अधिक बेरोजगारों को सरकारी नौकरी पर लगाया गया। इतना ही नहीं 1 लाख भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं, जिनमें शीघ्र ही नियुक्तियां होंगी।

जिलों में मेडिकल कॉलेज

गहलोत सरकार के तीसरे कार्यकाल के तीन साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब 33 में से 30 जिलों में सरकार मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है। भूमि पूजन शिलान्यास जैसी प्रक्रियाएं शुरू हो चुकी हैं। सरकार की मंशा है कि शेष तीन जिलों में भी जल्द मेडिकल कॉलेज की मंजूरी मिले।

महिला सशक्तिकरण

राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण के कई ठोस कदम उठाए हैं। इंदिरा महिला शक्ति योजना के लिए 1000 करोड़ रुपये की निधि जारी की गई है। उड़ान योजना में समस्त किशोरियों और महिलाओं को हर जिले में निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण किया जा रहा है।

शिक्षा

शिक्षा के क्षेत्र में यह पहली बार हुआ है जब सरकार इंग्लिश मीडियम स्कूल के जरिए अंग्रेज़ी शिक्षा को उच्च स्तर पर ले जाने की कवायद में जुटी है। प्रदेश में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में अब तक 87293 विद्यार्थी नामांकित हो चुके हैं। 5000 से ज्यादा आबादी वाले हर गांव और कस्बे में 1200 विद्यालय खोले जा रहे हैं।

21 लाख किसानों का ऋण माफ

गहलोत सरकार ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए किसानों के ऋण माफी की दिशा में बड़े कदम उठाए। अब तक 21 लाख किसानों का 15,000 करोड़ का सहकारी ऋण माफ किया जा चुका है। बिजली की दरें किसानों के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही, लेकिन सरकार ने पांच साल तक उनके लिए बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं करने का कल्याणकारी फैसला किया। इसके अलावा प्रतिमाह 1000 रुपये बिजली बिल अनुदान देने से छोटे किसानों का बिजली बिल लगभग शून्य हुआ। अब तक 18000 करोड़ रुपये का अनुदान जारी हो चुका है।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल-21 : रंग-रोशनी में नहाया दुर्ग

राजस्थान का अपना एक समृद्ध इतिहास है, जो इसे पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनाता है। यहां के किले और महल पर्यटकों को अपनी ओर बेहद आकर्षित करते हैं। उनमें मेवाड़ अंचल में कुंभलगढ़ दुर्ग अपना अलग ही महत्व रखता है। यहां पिछले कई वर्ष से देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष 'कुंभलगढ़ महोत्सव' आयोजित हो रहा है। कोरोना महामारी के कारण दो वर्ष बाद पुनः इसका त्रिदिवसीय आयोजन (1-3 दिसम्बर 21) हुआ। यह महोत्सव मेवाड़ की कला, संस्कृति, इतिहास, दर्शन की नायाब विरासत की पहचान कराता है।

विष्णु शर्मा हितैषी

कुंभलगढ़ फेस्टिवल की प्रथम संध्या जयपुर के कच्छी घोड़ी कलाकार बनवारीलाल के नृत्य से सजी। जिसमें बेल्जियम से आई पर्यटक कारला के पग भी नृत्य की लय-ताल पर थिरक उठे। पद्मश्री वासिफुद्दीन डागर ने एक से बढ़कर एक शास्त्रीय शैली में प्रस्तुतियां दी। डागर ने 'कुंजन में रास रचाया' से शुरूआत की तो हर कोई उनका कायल हो गया। राग भीम पलासी में ध्रुपद प्रस्तुत किया। इनके साथ पखावज पर संगत की प्रवीण कुमार आर्य ने और तानपुरे पर थे अरविंदन व प्रमोद कुमार। श्रीनिवासन ने भी समां को सुहाना बनाया।

उदयपुर के संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट व राजसमंद के जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने फेस्टिवल का उद्घाटन नगाड़ा बजाकर व दुर्ग संस्थापक महाराणा कुंभा की छवि के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जीएसटी विभाग (अहमदाबाद) के अधिकारी मुकेश राठौड़, पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना व एसडीएम जयपालसिंह भी उपस्थित थे। इससे पहले यज्ञ वेदी चौक में जैसलमेर के लंगा कलाकारों ने केसरिया बालम आवोनी पधारो म्हारे देश... से कार्यक्रम का आग़ाज किया। जोधपुर से आई कालबेलिया नृत्यांगनाओं ने अपने नृत्य से सभी का मनमोहा। राजस्थानी विधा पर आधारित लाल आंगी गैर व सहरिया नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से पूरा प्रांगण झूम उठा।

फेस्टिवल के दूसरे दिन रोशनी से नहाए दुर्ग के सामने पद्मश्री किरण सहगल के दल ने कार्यक्रम का आगाज दशावतार से किया। इसमें भगवान विष्णु के दस अवतारों को ओडीसी नृत्य के जरिये जीवंत किया गया। इसके बाद तारी झाम यानी पल्लवी पेश किया। वनमाली दास की कृष्ण भक्ति रचना की बातें छोड़ो, जागो महेश्वरा पेश किए गए। सहगल के दल ने कार्यक्रम का समापन मोक्ष नृत्य की प्रस्तुति से किया।

मांगणियार कलाकारों ने राजस्थानी गीतों पर तो घूमर नृत्य कर महिला कलाकारों ने यज्ञ वेदी चौक में माहौल को खूब रंगमय बनाया। इसके बाद एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुई। कालबेलिया, चवरी के साथ बाड़मेर की लाल आंगी गैर कलाकारों ने भी प्रस्तुति से मन मोहा। सहरिया स्वांग के कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी। पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग की ओर से साफा बांधों प्रतियोगिता भी रखी गई, इसमें महिला पर्यटकों के साथ पुरुषों ने भाग लिया। सभी विजेताओं को पर्यटन विभाग की ओर से पुरस्कार वितरित किए।

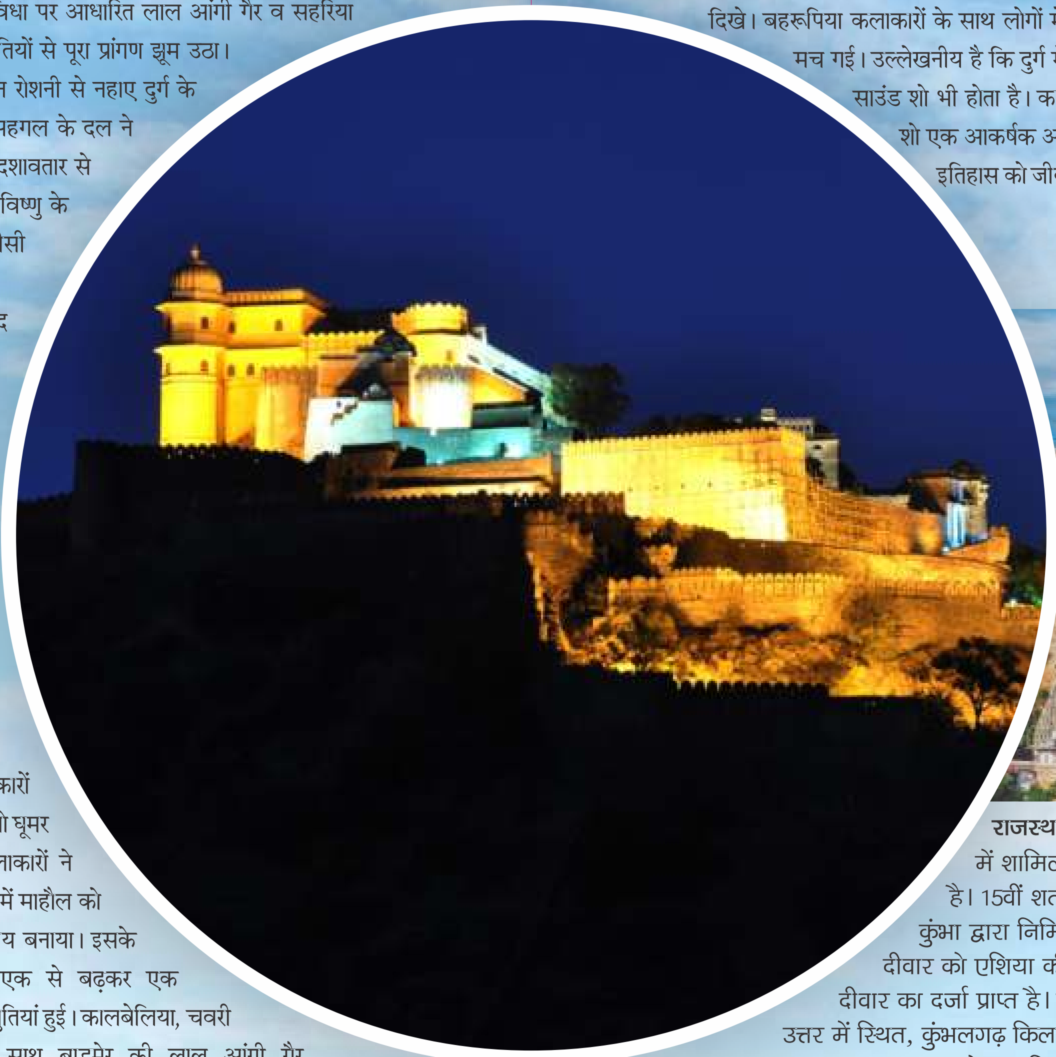

फेस्टिवल के अंतिम दिन पद्मश्री से सम्मानित अनवर खां ग्रुप ने प्रस्तुति दी। छाप तिलक, मोर बोले-रे, कुरजा, निबुंडा, दमा दम मस्त कलंदर आदि गीत-नृत्य से भी सर्द रात में पर्यटक रोमांचित हुए। कलाकारों ने भपंग और खड़ताल जुगलबंदी से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। फेस्टिवल में बांदीकुई, अलवर से आए बहरूपिया कलाकार भी पर्यटकों को खूब लोट-पोट करते दिखे। बहरूपिया कलाकारों के साथ लोगों में सेल्फी लेने की होड़ मच गई। उल्लेखनीय है कि दुर्ग में हर शाम लाइट एण्ड साउंड शो भी होता है। करीब 45 मिनट का यह शो एक आकर्षक अनुभव है। जो किले के इतिहास को जीवंत करता है।

विश्व धरोहर कुंभलगढ़ दुर्ग

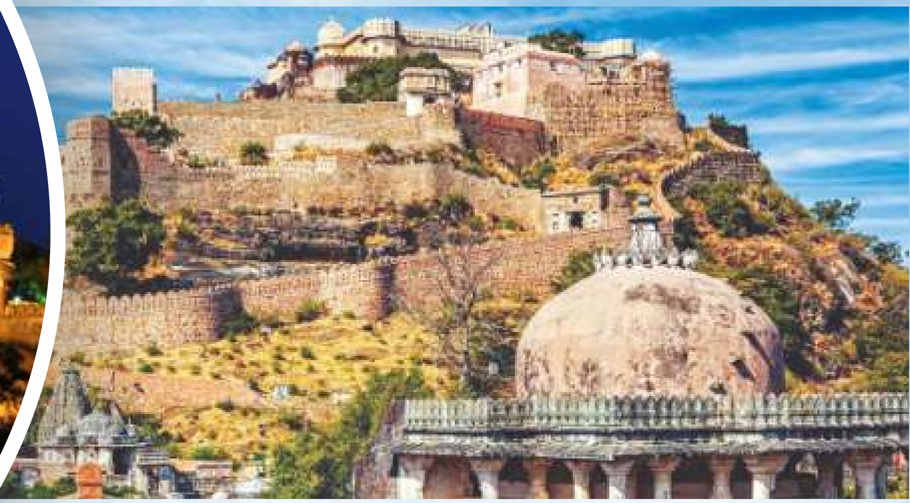

राजस्थान के हिल फाउंटेन में शामिल एक विश्व धरोहर है। 15वीं शताब्दी के दौरान राणा कुंभा द्वारा निर्मित इस किले की दीवार को एशिया की दूसरे सबसे बड़ी दीवार का दर्जा प्राप्त है। उदयपुर से 80 किमी उत्तर में स्थित, कुंभलगढ़ किला चित्तौड़गढ़ किले के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा किला है। अरावली पर्वतमाला पर समुद्र तल से 1100 मीटर (3600 फीट) की पहाड़ी की चोटी पर निर्मित, कुंभलगढ़ के किले में परिधि की दीवारें हैं जो 36 किमी (22 मील) तक फैली हुई हैं और 15 फीट चौड़ी है। अरावली रेंज में फैला कुंभगढ़ किला मेवाड़ के महान योद्धा अजेय महाराणा प्रताप का जन्मस्थान भी हैं, जिन्होंने अकबर की विशाल मुगल सेना के आगे कभी घुटने नहीं टेके और मेवाड़ के मान-सम्मान व स्वाभिमान को अक्षुण्ण रखा। किले के अंदर स्थित शिव मंदिर जिसे नीलकंठ महादेव के नाम से जाना जाता है, में लगभग 5 फीट की ऊंचाई का एक विशाल शिवलिंग है। ऐसा कहा जाता है कि महाराणा कुंभा शरीर से इतने विशाल थे कि वह जब शिवलिंग का अभिषेक करते थे तो बैठे-बैठे ही शिवलिंग की ऊंचाई तक पहुंचकर दूध चढ़ाया करते थे।

किला सात विशाल द्वारों के साथ बनाया गया है। इस भव्य किले के अंदर की मुख्य इमारतें बादल महल, शिव मंदिर, वेदी मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और मम्मदेव मंदिर हैं। कुंभलगढ़ किला परिसर में लगभग 360 मंदिर हैं। जिनमें जैन मंदिर भी हैं। इस किले की एक विशेषता यह भी बताते हैं कि यह कभी युद्ध में नहीं जीता जा सका।

राजस्थान सरकार के तीन साल

उदयपुर को 218 करोड़ के तोहफे

राजस्थान के राजस्व और उदयपुर जिला प्रभारी मंत्री रामलाल जाट ने सरकार के तीन साल पूरे होने पर उदयपुर शहर को 21 दिसम्बर के दिन कई सौगात दी। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के सभागार में हुए समारोह के दौरान महाराणा प्रताप खेलगांव में पहले हॉकी एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान, बायो-मिथेन प्लांट, मल्टी लेवल पार्किंग सहित विभिन्न विभागों के 218 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में सलूम्बर और वल्लभनगर क्षेत्रवासियों को एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की भी सौगात दी गई। एम्बुलेंस को आरएनटी सभागार से प्रभारी मंत्री के साथ पूर्व सांसद रघुवीरसिंह मीणा और वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।एम्बुलेंस में वेंटिलेटर सहित आपात स्थिति में काम आने वाले सभी उपकरण दवाइयां और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्र को पहली बार इस तरह की एम्बुलेंस की सौगात मिली है। इससे मुफ्त में लोगों को आपात स्थिति में मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज में रेफर करने में आसानी होगी। इसके अलावा नगर विकास न्यास की अम्बेरी आवासीय योजना की लॉचिंग, पात्र लाभार्थियों को पट्टा वितरण, अल्पसंख्यक विभाग की ओर से ऋण माफी प्रमाण पत्र और समाज कल्याण विभाग के पात्र दिव्यांग लोगों

को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का भी वितरण किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास सरकार की सफलता को दर्शाता है। गहलोत सरकार ने विषम परिस्थितियों के बावजूद विकास को नई दिशा प्रदान की है। हर वर्ग को ध्यान में रखकर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मुख्यमंत्री ने संवेदनाशीलता का उदाहरण देते हुए प्रदेश की जनता को इस महामारी से बचाने के लिए बेहतरीन प्रबंधन किया। कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए, इसके लिए प्रदेश में इंदिरा रसोई का संचालन किया जा रहा है। रोजगार मॉडल स्कूल, महात्मा गांधी स्कूल, तकनीकी नवाचार, किसानों को ऋण आदि कई काम किए। समारोह में जिला प्रभारी सचिव अजिताभ शर्मा, एडीएम प्रशासन ओपी बुनकर, एसपी मनोज चौधरी, यूआईटी सचिव अरुण हसीजा, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, सज्जन कटारा, पुष्कर लाल डांगी, गोपालकृष्ण शर्मा, पंकज कुमार शर्मा, लक्ष्मीनारायण पंड्या, दिनेश श्रीमाली आदि भी मौजूद थे।

रिपोर्ट: भगवान सोनी

अफ्रीकी मेंढकों के स्टेम कोशिकाओं से बना

दुनिया का पहला जीवित रोबोट प्रजनन में सक्षम

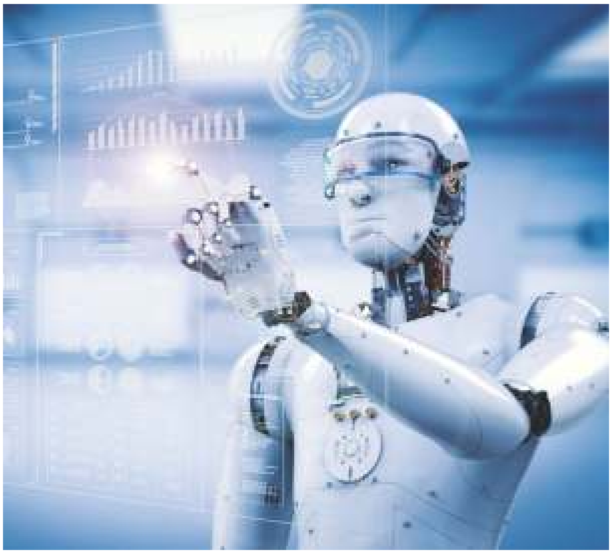

दुनिया का पहला जीवित रोबोट बनाने में अमेरिकी वैज्ञानिक सफल तो हुए ही, उनका यह भी दावा है कि ये रोबोट प्रजनन भी कर सकते हैं। इन्हें जेनोबोट्स का नाम दिया गया है। उन्होंने इस रोबोट को बनाने में अफ्रीकी मेंढकों के स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल किया है।

जेनोबोट्स को पहली बार 2020 में दुनिया के सामने लाया गया था। यह जीवित रोबोट एक मिलीमीटर से भी छोटा हैं। ये चल सकते हैं, समूह में एक साथ काम कर सकते हैं, स्वयं को ठीक (स्व-उपचार) भी कर सकते हैं। साथ ही भोजन के बिना हफ्तों तक जीवित रह सकते हैं।

इस जेनोबोट्स को वर्मोंट विश्वविद्यालय, टफ्ट्स विश्वविद्यालय और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वायस इंस्टीट्यूट फॉर बायोलॉजिकल इंस्पायर्ड इंजीनियरिंग के वैज्ञानिकों ने मिलकर विकसित किया है।

वैज्ञानिक इसका और अधिक प्रभावी व सक्षम बनाने के लिए परीक्षण कर रहे हैं। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि विज्ञान के क्षेत्र में जानवर या पौधे से अलग जैविक प्रजनन एक बिलकुल नई खोज है।

कई काम एक साथ

जेनोबोट्स बायोलॉजिकल रोबोट का अपडेटेड वर्जन है। छोटा रोबोट कई काम एक साथ कर सकता है। यह कई सिंगल कोशिकाओं को जोड़कर अपना शरीर बना सकता है। इंसान की तरह से मेंढक की कोशिकाएं एक शरीर का निर्माण करती हैं। ये एक सिस्टम के रूप में काम करती हैं।

जीव है रोबोट

जेनोबोट्स बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने मेंढक के भ्रूण से जीवित स्टेम कोशिकाओं को स्क्रैप किया और उन्हें इनक्यूबेट करने के लिए छोड़ दिया। कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर और रोबोटिक्स जोश बोंगार्ड को धातु और सिरेमिक से बना मानते हैं, लेकिन यह बस इतना नहीं है। ये रोबोट आनुवांशिक रूप से अपरिवर्तित मेंढक की कोशिका से बना जीव है।

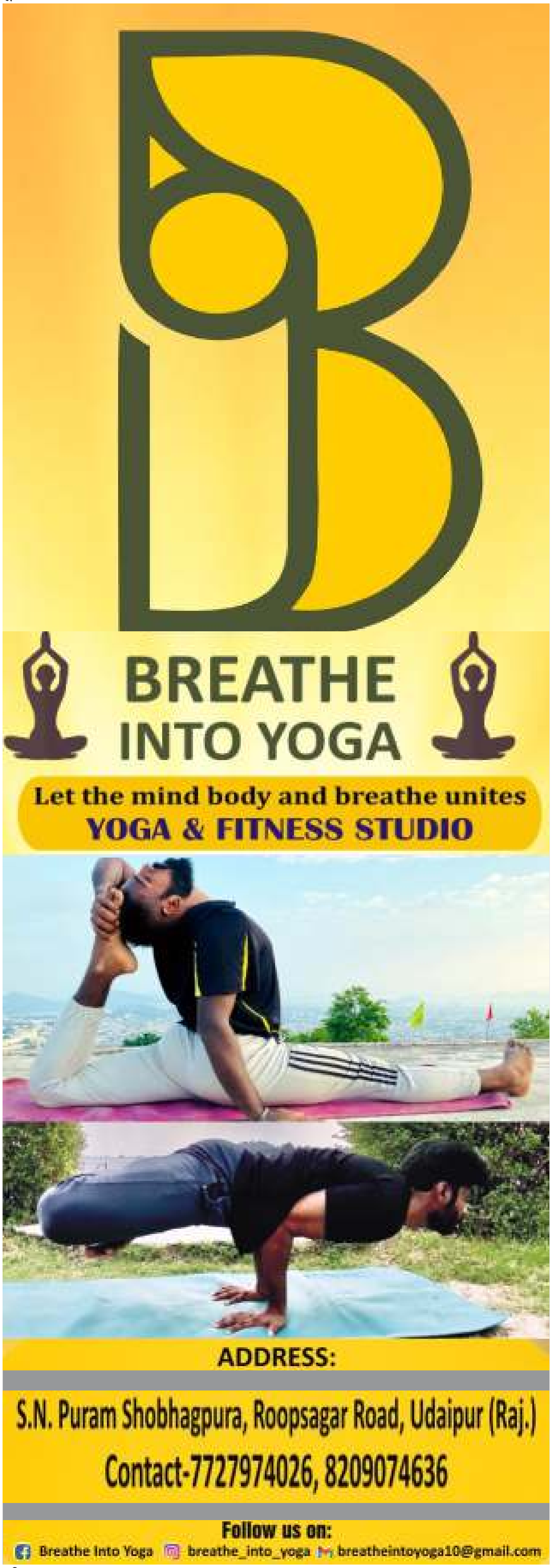

जम्मू कश्मीर में चुनाव की सुगबुगाहट

'गुपकार' में दरार

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद राज्य के नए स्वरूप के बीच इसी साल विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के चलते 370 हटने से तिलमिलाए क्षेत्रीय पार्टियों के नेताओं ने राज्य में अपने 70 साल के वजूद को चुनौती मानकर एक नया गठबंधन 'गुपकार' नाम से खड़ा किया था। इसमें नेशनल कांफ्रेंस (फारूक अब्दुल्ला) व पीडीपी (महबूबा मुफ्ती) समेत वे क्षेत्रीय दल और नेता प्रमुख थे, जिन्होंने देश की आजादी के बाद जम्मू कश्मीर पर बारी-बारी सत्ता का स्वाद चखते हुए राज्य की राजनीति में वंशवाद की जड़ें मजबूत कीं। चुनाव की बढ़ती सरगर्मी के साथ-साथ 'गुपकार' में दरार तो दिनों-दिन बढ़ ही रही है, साथ ही इन पार्टियों के परम्परागत एजेंडे भी अप्रासंगिक हो गए है। वे एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने लगे हैं।

उमेश शर्मा

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के राज्य में परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव के लगातार संकेतों से सभी राजनीतिक दलों में सरगर्मी बढ़ गई है। खासकर गुपकार गठबंधन में शामिल नेकां और पीडीपी अपनी गतिविधियां बढ़ाते हुए पीरपंजाल व राजोरी-पुंछ में अपनी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। महबूबा मुफ्ती ने सबसे पहले जम्मू संभाग को संभाला।पीरपंजाल व राजोरी-पुंछ के साथ जम्मू में भी उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मेल मिलाप के अलावा जनसभाएं भी कीं। कुछ दिनों बाद नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुला पीरपंजाल के दौरे पर गए। डोडा, किश्तवाड़, भद्रवाह के साथ ही रामबन में जनसभाएं कीं। इस दौरान उन्होंने अपने तेवर तल्ख करते हुए गुपकार गठबंधन में सहयोगी पीडीपी पर कड़ा हमला बोला। 370 हटने के लिए साफ तौर पर पीडीपी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि भाजपा के साथ पीडीपी की ओर से किए गए समझौते ने ही इसे हटाने की बुनियाद तैयार की। उन्होंने आरोप लगाया कि 2015 में पीडीपी को सरकार बनाने के लिए उन्होंने बिना किसी शर्त के समर्थन देने की पेशकश की थी, लेकिन वह नहीं मानी। नतीजा सबके सामने है। उमर ने कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद पर भी तीखे वार करते हुए कहा कि 370 पर कांग्रेस ने हाथ खींचे हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि आजाद ने कहा था कि अनुच्छेद 370 पर बात करना फिजूल है। यह कभी वापस नहीं आएगा। बाद में आजाद ने स्पष्ट किया कि पांच अगस्त 2019 के निर्णय की खिलाफत में हम सभी एकजुट हैं। उनके बयान को कश्मीर घाटी में तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। वह जम्मू-कश्मीर का राज्य दर्जा बहाल करने और जल्द से जल्द विधानसभा

वोट बैंक सहेजने में जुटे

कश्मीर केंद्रित पार्टियों में घमासान है। नेकां, पीडीपी, अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस के बीच आरोप-प्रत्यारोप के साथ ही एक-दूसरे पर निशाना साधा जा रहा है। 'अपनी पार्टी' अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने पीडीपी को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की जमात बताते हुए कहा कि पीडीपी जमीन पर कहीं भी नहीं है। महबूबा लोगों की भावनाओं को भड़काकर सियासत करना चाहती हैं। मुठभेड़ों पर बयान देने की क्या जरूरत है। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने नेकां को निशाने पर लेते हुए कहा है कि प्रदेश को सबसे ज्यादा नुकसान इसी पार्टी ने पहुंचाया। नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला लगातार कश्मीर के लोगों से झूठ बोल रहे हैं तो पीडीपी चुप्पी साधे हुए है।

चुनाव करवाने की मांग करते हैं।
राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कश्मीर केंद्रित दलों में हितों का संघर्ष शुरू हो गया है। विधानसभा चुनाव सामने दिख रहा है।

हितों का संघर्ष

ऐसे में वह अपने को मजबूत करने के लिए एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इसमें गठबंधन सहयोगी का ख्याल भी नहीं रखा जा रहा है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. बच्चा बाबू कहते हैं कि गुपकार गठबंधन का गठन व्यापक परिप्रेक्ष्य में किया गया था। मुख्य घटक दल नेकां, पीडीपी एवं पीपुल्स कांफ्रेंस थे, लेकिन पीपुल्स कांफ्रेंस ने डीडीसी चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर पहले ही बिदककर गठबंधन से नाता तोड़ लिया। अब नेकां एवं पीडीपी अपने-अपने आधार को मजबूत करने में अपने-अपने तरीके से जुटे हुए हैं। ऐसी स्थिति में एकता के नाम पर खड़े किए गए 'गुपकार' गठबंधन के भरभरा कर धराशायी होने के आसार साफ दिखाई देने लगे हैं। दरअसल इन दलों के नेताओं को अपने-अपने तरीके से चलने में ही अपना भविष्य दिख रहा है। सत्ता के लिए सहयोगियों पर हमले इन्हें कहां तक

गुलाम नबीः अलग ही रास्ता

फायदा देंगे, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन दो बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों नेशनल कांफ्रेंस व पीडीपी में उनके परम्परागत एजेंडे अप्रासंगिक होने से भारी बैचेनी है। पीडीपी की साख को तो उसकी नेता महबूबा के बयानों और हरकतों से पहले ही पलीता लग चुका है तो दूसरी ओर नेशनल कांफ्रेंस के शीर्ष नेतृत्व से कई प्रमुख नेताओं की अनबन है, जिसकी वजह से वे नए घर की तलाश में हैं। नेशनल कांफ्रेंस के जम्मू में देवेन्द्रसिंह राणा व सुरजीत सिंह सलाथिया जैसे दिग्गज नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। गांदरबल जिले के प्रधान पूर्व विधायक शेख इश्फाक जब्बार ने खुद को पार्टी गतिविधियों से अलग कर लिया है, जबकि डीडीसी प्रधान नुजहत ने पार्टी को अलविदा कह दिया है। पूर्व मंत्री आगा सैयद भी रूहैल्ला भी पार्टी कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। पार्टी के दिग्गज नेताओं में शुमार पूर्व वित्तमंत्री अब्दुल रहीम राथर के बेटे हिलाल राथर ने पीपुल्स कांफ्रेंस का दामन थाम लिया है। 5 अगस्त 2019 से पहले तक राज्य में प्रभावी रहीं क्षेत्रीय पार्टियों में बिखराव की यह स्थिति हर किसी को चौंका रही है। फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुला व पीडीपी सुप्रीमो महबूबा हालात को भांपते हुए जम्मू से लेकर कश्मीर के आखिरी छोर तक अपना घर संभालने में व्यस्त हो गए है।

दुआ ने दिया हिंदी टीवी पत्रकारिता को नया आयाम

ब्लैक एंड व्हाइट टेलीविजन युग में दूरदर्शन के साथ अपना करिया शुरू करने वाले वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विनोद दुआ (67) का 4 दिसम्बर-21 को निधन हो गया। वे पद्मश्री व रामनाथ गोयनका पुरस्कार पाने वाले पहले इलेक्ट्रोनिक मीडियाकर्मी थे। मुम्बई प्रेस क्लब द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए 2017 में 'रेड इंक अवार्ड' दिया गया था। उनका जन्म 11 मार्च 1954 को नई दिल्ली में हुआ था। उन्होंने दूरदर्शन के अलावा भी अन्य कई चैनलों के साथ काम किया। दुआ ने हिन्दी टीवी पत्रकारिता में अपने करियर की शुरूआत दूरदर्शन के 'युवा मंच' कार्यक्रम से की थी। हालांकि, उन्हें प्रसिद्धि उस चुनाव विश्लेषण से मिली जिसकी सह एंकरिंग उन्होंने 1984 में प्रणयरॉय के साथ दूरदर्शन पर की थी। वे 42 वर्षों तक पत्रकारिता की उत्कृष्टता के शिखर तक बढ़ते हुए, हमेशा सच के साथ खड़े रहे। उनके अन्य लोकप्रिय टीवी कार्यक्रमों में आपके लिए देश की पहली हिन्दी साप्ताहिक दृश्यात्मक पत्रिका परख, चक्रव्यूह, प्रतिदिन, जायका इंडिया का और जन गण मन की बात आदि हैं। दुआ का स्वास्थ्य कोरोना की दूसरे लहर से ही खराब था। उन्हें बार-बार अस्पताल में भर्ती कराया जाता रहा। दिसम्बर की शुरुआत में बेटी और हास्य कलाकार मल्लिका दुआ ने उनके अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी थी। उनकी बड़ी बेटी बकुल दुआ हैं, जो क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट हैं। कोरोना की दूसरी लहर के चरम पर रहने के दौरान विनोद दुआ और उनकी पत्नी गुड़गांव के एक अस्पताल में भर्ती थी। इस दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित होने के चलते जून में उन्होंने अपनी पत्नी 56 वर्षीय रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पद्मावती दुआ को खो दिया था। डॉ. पद्मावती को चिन्ना दुआ के नाम से भी जाना जाता था। डॉ. पद्मावती एक गायिका और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी थीं। दुआ का निधन पत्रकारिता जगत की एक बड़ी अपूरणीय क्षति है।

- भगवान प्रसाद गौड़

लाइव प्रसारण में थे माहिर

विनोद दुआ की पहचान एक हिंदी टेलीविजन एंकर के तौर पर थी। उन्हें लाइव प्रसारण का उस्ताद माना जाता था। आमतौर पर एंकज टेली टेलीप्राम्पटर (टीपी) पर देखकर एंकरिंग करते हैं। जबकि दुआ को इसकी जरूरत नहीं होती थी। उन्हें क्या बोलना हैं वह खुद तय कर लेते थे। त्वरित अनुवाद करने की उनकी क्षमता भी जबरदस्त थी।

सास का अहसास ही नहीं मां का दुलार भी दें

घर में बहू के आगमन पर एक मां उसका स्वागत सत्कार करती है या सास कि यह बात इस पर निर्भर करती है कि शांति, सद्भाव, प्रेम, सहयोग एवं अपनेपन से संजोया घर कायम रहेगा या मात्र किसी का ससुराल बनकर रह जाएगा। सास सिर्फ रिश्ता ही नहीं, वह मां भी है।

पुष्पा शर्मा

आप इस कड़वी सच्चाई से सहमत ही होगी कि 'सास' शब्द सुनते ही प्राय: लड़कियों के मन में अजीब सी छवि के साथ डर बैठ जाता हैं, या वे इस शब्द को सुनते ही ऐसा मुंह बना लेती हैं, मानों इस शब्द से ही उन्हें चिढ़ हो।

सदियों से मायके में लड़कियां सुनती रही हैं, ऐसा मत करो नहीं तो सास चोटी खींचेगी। यह बात आज भी चरितार्थ होती है। यदि आप भी सास हैं या बनने वाली हैं, तो कुछ बातों का ख्याल रखकर इस रिश्ते को नई परिभाषा और मजबूती दे सकती हैं।

आगाज हो बेहतर

शादी के बाद लड़की नए परिवार में आती है। नए घर, नए रिश्तों से जुड़ती है। ऐसे में गलती करने पर रूखे बोल बोलने से बेहतर है कि प्यार भरी समझाइश दें, तब कहीं वह दिल से आपके घर की सदस्य बन पाएगी। कई बार जाने-अनजाने ही सास का व्यवहार बहू के प्रति रूखा हो जाता है। थोड़ी बहुत भूल-चूक स्वाभाविक है। नए रिश्तों की कहीं छोटी से छोटी बात भी दिल पर लगती है। इसलिए बेहतर है थोड़ा नजरअंदाज करें।

मीन–मेख न निकालें

घर में नई–नई बहू आई है। उसके कामकाज के तरीके और आपके तरीकों में अंतर होना स्वाभाविक है। हर समय बहू के कार्य में अनावश्यक मीन–मेख न निकालें। अक्सर घरों में ऐसा होता है कि बहू यदि कुछ कार्य कर रही है तो घर के बाकी सदस्य उसे सही तरीके बताने निकल पड़ते हैं, जो दरअसल केवल अलग होते हैं, सही या गलत का लेबल तो अहं की वजह से लगता है। बहू घर में नई है, दुनिया में नहीं। उसे थोड़ा फ्री होकर काम करने दें, ताकि उसे भी काम करने में खुशी हो।

सिखाएं, डराएं नहीं

बहू को जिम्मेदारी सौंपे। इसमें चूक भरोसे पर सवाल उठाती है। हर कार्य को बांटकर करें। मेहमानों की तरह रखेंगे तो वह भी मेहमानों की तरह ही व्यवहार करेगी। साथ ही छोटी–मोटी गलतियों को लेकर पति और बेटे के कान न भरे। छोटी–छोटी बातों को दरकिनार करते हुए आगे बढ़े।

प्रतिस्पर्द्धा न करें: बहू ने खाना बहुत अच्छा बनाया है और सभी लोग उसकी तारीफ कर रहे हैं तो उसे प्रेरित करें न कि प्रतियोगिता करें क्योंकि वह अब आपके घर का हिस्सा है। आपकी बहू आपके बेटे की पत्नी है, उसे अपने बेटे का ही हिस्सा समझें। उससे ईर्ष्या और द्वेष की भावना न रखें।

बात की सच्चाई जानें

आप रिश्ते और पद में जिस स्थान पर बैठी हुई हैं। वहां बहुत संभलकर कदम रखने की जरूरत है। सुनी–सुनाई बातों पर यकीन करने से बचें। हर बात की सच्चाई को जानें, तभी उस पर विचार करें। घर का कोई सदस्य यदि बहू की निंदा या चुगली करे तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। जरूरी नहीं कि आपको बताई गई बात सच हो। बहू से बातचीत के रास्ते सीधे और खुले रखने से आप दोनों का रिश्ता मजबूत बनेगा।

पक्षपात से दूरी

न्यायपूर्ण कार्य विभाजन करें और निष्पक्ष होकर अपनी जिंदगी की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। बेटीके साथ व्यवहार और बहुओं के साथ किए बर्ताव में फर्क आपकों बहुओं से दूर कर देगा। आपके बीच के रिश्तों में कड़वाहट की सबसे बड़ी वजह आपका भेदभाव पूर्ण व्यवहार हो सकता है। इसलिए सभी को बराबर प्रेम दें।

निंदा से बचें

हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई होती है। बहू के मायकेवालों के लिए गलत न बोलें। बहू द्वारा लाए गए तोहफे या मिठाई आपको पसंद नहीं है तो मीन–मेख न निकालें। उन्हें सहर्ष स्वीकार करें और प्रशंसा करें। एक बात का हमेशा ध्यान रखे, बहू यदि आपका ख्याल रखती है तो आपका भी फर्ज है कि उसकी लाई चीजों की कद्र करें। ऐसा करने से आपकी छवि और रिश्ते की मजबूती दोनों बनी रहेगी।

भंवरलाल नागदा
(पूर्व सरपंच, खरका)
Mob. 9460830849
रमेश नागदा
(बीमा अभिकर्ता)
Mob. 9414158306

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

कैलाश नागदा
9799652244
ललित नागदा
9414685029
देवेन्द्र नागदा
9602578599
रवि नागदा
9929966942

रवि मेडिकल स्टोर, उदयपुर

महाराणा भूपाल चिकित्सालय (जनरल हॉस्पिटल)
के सामने, उदयपुर, फोन : 0294-2412464

सम्बन्धित फर्म : रवि मेडिकल स्टोर, सलूम्बर एवं लसाड़िया

दीपक नागदा
मो.: 9602578599

जय इलेक्ट्रीकल्स

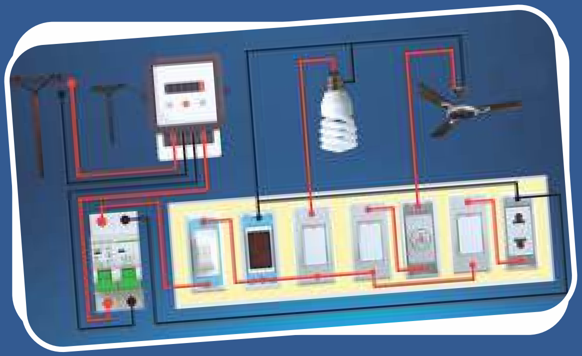

*लाइट फिटींग एवं इलेक्ट्रीक
सामान के रिटेल
एवं होलसेल विक्रेता*

स्वामी नगर, 100 फीट रोड, पानेरियों की मादड़ी, उदयपुर

दो महिला खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित पुरस्कार

भारत की महिला टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को वर्ष 2021 की महिला बिग बैश लीग में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर वर्ल्ड एथलेटिक्स ने भारत की अंजू बॉबी जॉर्ज को वुमन ऑफ द ईयर (2021) अवार्ड से सम्मानित किया है।

प्रिशा शर्मा

बीबीएल में हरमन सर्वश्रेष्ठ

मेलबर्न। भारत की महिला टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को इस वर्ष महिला बिग बैश लीग में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया है। वह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। मेलबर्न रेनगेड्स के लिए एक धमाकेदार सीजन के बाद हरमनप्रीत कौर को अब उम्मीद है कि महिला आईपीएल होने में अब देर नहीं लगनी चाहिए।

शानदार रहा प्रदर्शन: हरमन को तीन बार प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। अंपायरों की वोटिंग के आधार पर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। उनसे तीन-तीन वोट पीछे रही पर्थ स्कॉर्चर्स की बेथ मूनी और सोफी डिवाइन। डिवाइन ने दो बार और न्यूजीलैंड की एमी सेंटरथ्वेट ने एक बार यह खिताब जीता है। हरमन यह खिताब जीतने वाली तीसरी विदेशी हैं। हरमनप्रीत ने इस टूर्नामेंट में 399 रन बनाए, जिनमें 3 अर्द्धशतक भी थे। इस भारतीय ऑलराउंडर ने 15 विकेट भी चटकाए।

> काफी समय से आशा है कि महिला आईपीएल शुरू होगा। अगर हम दुनिया की बेहतरीन खिलाड़ियों को बुलाएंगे तो घरेलू खिलाड़ियों को फायदा मिलेगा। हमारे हाथ में है कि हम अच्छा प्रदर्शन करते रहें, बाकि सब क्रिकेट बोर्ड के हाथ में है।
>
> **हरमनप्रीत कौर**

अंजू को वर्ल्ड एथलेटिक्स अवार्ड

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने भारत की अंजू बॉबी जॉर्ज (44) को वुमन ऑफ द ईयर 2021 अवार्ड से सम्मानित किया है। भारत की सबसे शानदार ट्रैक एण्ड फील्ड एथलीट्स अंजू को यह अवार्ड भारत में स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने और महिलाओं को स्पोर्ट्स में आने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया है।

भारत की पूर्व अंतरराष्ट्रीय लॉंग जंप स्टार जॉर्ज अभी भी इस खेल में सक्रिय हैं। इंडियन एथलेटिक्स फेडरेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर अंजू ने जेंडर इक्विलिटी के लिए आवाज उठाई। उन्होंने स्कूली लड़कियों को खेल में अच्छा करने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। अंजू ने 2016 में युवा लड़कियों के लिए एक ट्रेनिंग एकेडमी भी खोली, जिसने अंडर-20 पदक विजेताओं को तैयार किया। केरल की रहने वाली अंजू आईएएएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2003 में भारत की एकमात्र मेडल (ब्रॉन्ज) विजेता है। आईएएएफ वर्ल्ड एथलेटिक्स 2005 की गोल्ड मेडल विजेता अंजू, 2004 के ओलिंपिक में 6.83 मीटर जंप के साथ छठें स्थान पर थीं।

> वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से वूमन ऑफ द ईयर का खिताब मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस क्षेत्र में मेरे प्रयास जारी रहेंगे।
>
> **– अंजू बॉबी जॉर्ज**

ੴ ''एक आँकार सत् गुरु परसाद''
घलै आवे नानका सदे उठी जावे

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास– 5 दिसम्बर, 2013

स्व. सरदार जोगिन्दर सिंह सोनी

सुपुत्र स्व. सरदार अमरीक सिंह सोनी

''आपकी यादें, आपका आभास, आपका विश्वास,
सबकुछ है हमारे पास, आपके अहसासों में।
आप तो हर पल बसे हुए हैं दिल की धड़कन में,
भीगी पलकों में.... परिवार की सासों में।।''

श्रद्धावनत्: स. गुरूप्रीत सिंह सोनी–सोनिया **(पुत्र-पुत्रवधू)**, सूरज, सागर **(पौत्र)**, चान्दनी **(पौत्री)**, स्वीटी–आर.एस. बग्गा, प्रेटी–खुशबीर सिंह, फेरी–आज्ञापाल सिंह, रीना–जसपाल सिंह **(पुत्री-दामाद)**, स. परमजीत सिंह–कमलजीत कौर **(साला-सलहज)** एवं **समस्त सोनी परिवार।**

पृथ्वी को क्षुद्रग्रह से बचाने नासा ने भेजा यान

धरती को क्षुद्रग्रह के हमले से बचाने के लिए नासा के डार्ट मिशन को स्पेसएक्स ने अपने फॉल्कन रॉकट से 24 नवम्बर 21 को रवाना किया, यह यान सुदूर अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे 169 मीटर लम्बाई वाले डाइमोरफोस क्षुद्रग्रह से इस वर्ष अक्टूबर में टकराएगा।

मिशन 'डार्ट' ने 24 नवम्बर को भारतीय समयानुसार दोपहर 11.50 वेडनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से उड़ान भरी। यह किसी क्षुद्रग्रह का रास्ता बदलने का पहला प्रयास है। हालांकि डाइमोरफोस क्षुद्रग्रह से धरती को कोई खतरा नहीं है। डार्ट को डबल ऐस्टरॉयड रिडॉयरेक्शन परीक्षण के लिए बनाया गया है। नासा ने जून 2017 में इसके डिजाइन पर काम शुरू किया था, जो 2021 के मध्य तक बनकर तैयार हुआ और आवश्यक परीक्षण प्रक्रियाओं से गुजारते हुए इसे नवम्बर 21 में लांच किया गया। यह 610 किलोग्राम वजनी और 6.2 फीट लम्बा है।

डिडिमोस ही क्यों चुना

इस मिशन के लिए डिडिमोस को चुनने की एक वजह ये भी है कि 2003 में ये क्षुद्रग्रह धरती के करीब से गुजरा था। इसके बाद 2022 में ये दोबारा धरती के पास से गुजरेगा और अक्टूबर में क्षुद्रग्रह से टकरा सकता है।

मिशन का उद्देश्य

अंतरिक्ष यान डाइमोरफोस नामक एक छोटे क्षुद्रग्रह से टकराने जा रहा है। यह एक बड़े क्षुद्रग्रह डिडिमोस की परिक्रमा कर रहा है। डार्ट से टकराने वाले क्षुद्रग्रह की लम्बाई 169 मीटर के आसपास है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इस टक्कर से क्षुद्रग्रह की दिशा और गति दोनों बदल जाएगी। हालांकि, यह क्षुद्रग्रह हमारी धरती के लिए कोई खतरा नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का यह प्रयोग सफल रहता है तो इससे वह भविष्य में धरती की तरफ आने वाले खतरनाक क्षुद्रग्रहों की दिशा को बदल सकता है।

डार्ट अगले साल सितम्बर तक अंतरिक्ष में घूमता रहेगा और फिर पृथ्वी से सड़सठ लाख मील दूर जाकर अपने लक्ष्य को निशाना बनाएगा। अगर ऐसा हो गया तो, उसकी कक्षा बदल जाएगी। यह एक बहुत छोटा परिवर्तन लग सकता है, लेकिन एक उल्का पिंड को पृथ्वी से टकराने से रोकने लिए इतना ही करना है। यह इस तरह का पहला मिशन है। अगर इसमें सफलता मिलती है, तो भविष्य में उन विशाल उल्कापिंडों को धरती पर आने से रोका जा सकेगा, जो यहां जीवन के लिए खतरा बन सकते हैं।

2 हजार करोड़ होंगे खर्च

मिशन की लागत करीब 2 हजार करोड़ रुपए है। ये मिशन कितना अहम है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर कोई 100 मीटर का क्षुद्रग्रह धरती से टकराता है, तो यह एक पूरे महाद्वीप पर तबाही मचा सकता है।

तेज रफ्तार से टकराएगा

मिशन का मुख्य हिस्सा एक इम्पैक्टर है। ये इम्पैक्टर क्षुद्रग्रह के छोटे वाले हिस्से से करीब 23,760 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से टकराएगा। टक्कर की वजह से क्षुद्रग्रह के इस हिस्से की रफ्तार में करीब 1 प्रतिशत की कमी जाएगी।

प्रस्तुतिः उदय प्रजापत

मेवाड़ सतत प्रेरणा का स्रोत

के.एस. गुप्ता

मेवाड़ का इतिहास अत्यधिक प्राचीन तथा महत्वपूर्ण है। मेवाड़ के इतिहास का सर्वाधिक गौरवशाली काल मध्ययुग था। जिसमें यहां के शासकों, सामंतों राज्य के पदाधिकारियों और आमजन ने एक जुट होकर ब्राह्य आक्रमणकारी तुर्क और मुगलों का अनेक शताब्दियों तक सफलतापूर्वक प्रतिरोध किया। राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ धरा भक्ति, शक्ति, त्याग बलिदान का अनूठा संगम है। राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ द्वारा दी गई आहुतियां देश में नई ऊर्जा पैदा करने वाली है। यहां के सभी वर्गों ने जीवन के शाश्वत मूल्य, धर्म, संस्कृति, कला, स्वतंत्रता आदि की रक्षा के लिए जो भावना प्रदर्शित की उससे मेवाड़ का इतिहास देशवासियों के लिए सदा प्रेरणा का स्रोत रहा। यह जीवन मूल्य राष्ट्र तथा राष्ट्र की भावी पीढ़ी के लिए भी प्रेरक और प्रासंगिक है।

आश्चर्य है कि शासकों व सामन्तों के योगदान पर अनेक लेखकों ने कलम चलाई किंतु गैर राजपूत समाज का योगदान महत्वपूर्ण होते हुए भी इतिहास वेत्ताओं का ध्यान उस ओर पर्याप्त रूप से नहीं गया। इस दृष्टि से डॉ. अंजना गुर्जरगौड़ की सद्य प्रकाशित पुस्तक 'मेवाड़ के इतिहास में गैर राजपूतों की भूमिका' अत्यधिक महत्वपूर्ण है। डॉ. अंजना बधाई की पात्र हैं क्योंकि मेवाड़ के इतिहास लेखन में एक बड़े अभाव की पूर्ति उन्होंने की है। उन्होंने अपने अध्ययन का क्षेत्र 1572 ई.स. 1818 ई तक सीमित रखा है। यह कालखण्ड वीरवर प्रताप के गद्दी पर बैठने से मेवाड़ की ईस्ट इंडिया कम्पनी से संधि होने तक का है। महाराणा प्रताप-अकबर

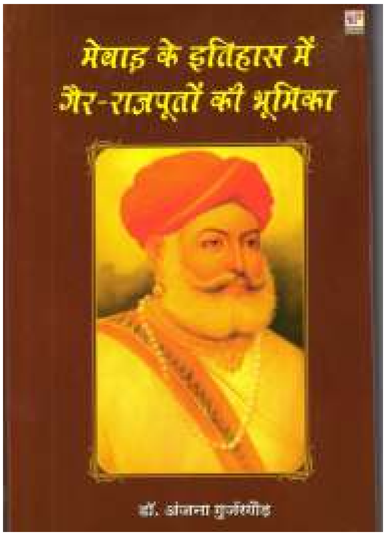

संघर्ष अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। अगर सैनिक बल, क्षेत्रफल, आर्थिक दृष्टि से देखें तो अकबर की शक्ति अनेक गुणा अधिक थी। घोर विपरीत परिस्थितियों के उपरांत भी प्रताप ने मुगलों का डट कर मुकाबला किया तथा उनके मेवाड़ पर प्रत्येक आक्रमण को असफल किया। वास्तव में अकबर को अपने अजेय होने का भ्रम कहीं टूटा तो वह मेवाड़ में। डॉ. अंजना ने अपनी कृति में गैर राजपूत व्यक्तियों विशेषत: भामाशाह, ताराचंद के कार्य कलापों का बहुत सुंदर किंतु इतिहास सम्मत विवरण प्रस्तुत किया है। पुस्तक में प्रमाण सहित उल्लेख है कि किस प्रकार इन दोनों भाइयों ने हल्दीघाटी युद्ध में अपना पराक्रम दिखाया और कैसे मेवाड़ की आर्थिक स्थिति को दृढ़ बनाने में योगदान दिया। उन्होंने अपने सम्पत्ति के साथ मुगल प्रदेश मालवा से लाए हुए धन को राणा प्रताप को समर्पित कर दिया। इसी प्रकार शेष अध्यायों में विभिन्न गैर राजपूत पदाधिकारियों के मेवाड़ में अपने अप्रतिम योगदान को प्रदर्शित करने का सुंदर प्रयास किया है। इनमें प्रमुख भागचंद, जीवाशाह, पुरोहित गरीबदास, दयालदास आदि हैं।

मुगल पतन के पश्चात भी मेवाड़ को शांति नहीं मिली। मराठा सैनिक अभियानों ने राज्य को अस्त-व्यस्त कर दिया। किंतु इस काल में भी निर्भिक, ईमानदार, शिल्पीऔर कुशल सेनानायक के रूप में प्रधान ठाकुर अमरचंद बड़वा उभर कर आए। घोर विपरीत परिस्थितियों में महादजी जैसे बलशाली मराठा सरदार को अपनी शर्तों पर संधि के लिए बाध्य किया। पुस्तक का महत्व केवल गैर राजपूत पदाधिकारियों के कार्यों के उल्लेख से ही नहीं अपितु कला, साहित्य, संस्कृति क्षेत्रों के विद्वानों के लेखन कार्यों का भी ग्रंथ में समावेश है। कृष्ण भट्ट, मधुसूदन, मुकुंद मनोहर के योगदान पर भी प्रचुर प्रकाश डाला गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रशासनिक पदाधिकारियों अथवा कला मर्मज्ञों के अलावा विस्तृत गैर राजपूत समाज है जिनके योगदान को उजागर करना आवश्यक है। मेरा निश्चित मत है कि डॉ. अंजना गुर्जरगौड़ की इस कृति के प्रकाशन से विद्वानों का ध्यान मेवाड़ के अब तक उपेक्षित पक्षों पर जाएगा। इस महत्वपूर्ण कृति के लिए लेखिका को बधाई। विश्वास है कि वे इतिहास लेखन में उपेक्षित पक्षों पर कलम चलाती रहेंगी।

(समीक्षक जाने माने इतिहासकार व मोहनलाल सुखाड़िया विवि के पूर्व प्रोफेसर हैं।)

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

सवालों के जवाब

1. फलौदी 2. माही 3. भरतपुर 4. चम्बल 5. आनासागर 6. उदयपुर 7. जोधपुर 8. आठवां 9. जावर 10. सिरोही 11. 98 प्रतिशत 12. 1977-78 13. किशनगढ़ 14. गोडावन 15. जैसलमेर 16. बांसवाड़ा 17. दयालदास 18. अजमेर 19. सीकर 20. संगमरमर.

दक्षिण भारतीय चटनी

भोजन में चटनी का अपना स्थान और स्वाद कुछ अलग ही होता है। इस बार हम बता रहे हैं, दक्षिण भारतीय व्यंजनों के साथ बनने वाली कुछ खास चटनियों के बारे में। ये बनाने में जितनी आसान होती हैं, उतनी ही पौष्टिक भी।

रेणु शर्मा

नारियल की चरपरी चटनी

सामग्रीः ताजा नारियल कद्दूकस किया हुआ एक प्याली, भुनी चना दाल 2 बड़े चम्मच, हरी मिर्च एक, नमक स्वादानुसार, जीरा डेढ़ छोटा चम्मच, ताजा दही– 2 बड़े चम्मच।

तड़के लिए लिएः तेल एक बड़ा चम्मच, काली सरसों या राई आधा छोटा चम्मच, साबुत लाल मिर्च 2, करी पत्ता–10 से 12.

यूं बनाएंः चटनी की सारी सामग्री की मिक्सी में पीस लें। पेन में तेल गरम करके राई–करी पत्ता और लाल मिर्च डालकर तड़का लगा दें।

अदरक की चटनी

सामग्रीः ताजा अदरक कद्दूकस किया हुआ। 2 बड़े चम्मच, भुनी चना दाल 2 बड़े चम्मच, ताजा नारियल कद्दूकस–2 बड़ा चम्मच, भुनी मूंगफली, छिलका रहित 2 बड़ा चम्मच, जीरा आधा छोटा चम्मच, हरी मिर्च एक, इमली का पेस्ट 2 बड़े चम्मच, गुड एक बड़ा चम्मच, उबला कॉर्न–2 से 3 बड़ा चम्मच, नमक–स्वादानुसार

तड़के के लिएः तेल डेढ़ चम्मच, काली सरसों एक छोटा चम्मच, सूखी लाल मिर्च 2 से 3, करी पत्ता 8 से 10, हींग एक चुटकी।

यूं बनाएंः एक चम्मच तेल में अदरक को गुलाबी भुनकर ठंडा कर लें। चटनी के लिए कॉर्न के अलावा सारी सामग्री मिलाकर बारीक पीस लें। इसमें उबला कॉर्न मिला दें (यह ऐच्छिक है) अब तड़के के लिए बचा तेल गरम करें। सरसों, करी पत्ता डालकर चटकाएं। सूखी लाल मिर्च व हींग डालकर चटनी में मिलाएं।

तुअर दाल चटनी

सामग्रीः तुअर (अरहर) की दाल आधा प्याला, साबुत लाल मिर्च 3 से 4, जीरा एक छोटा चम्मच, मेथी दाना 1/4 छोटा चम्मच, साबुत धनिया, एक बड़ा चम्मच, कालीमिर्च के दाने 3 से 4, हींग एक चुटकी, काली सरसों एक छोटा चम्मच, करी पत्ता 10 से 12, इमली का पेस्ट 2 बड़े चम्मच, गुड़ एक बड़ा चम्मच, नमक स्वादानुसार, तेल डेढ़ बड़ा चम्मच।

यूं बनाएंः पेन में तेल गरम करें। इसमें जीरा, राई, काली मिर्च, करी पत्ता, मेथी, धनिया व उड़द दाल डालकर जरा देर भुनें। अब लाल मिर्च व तुअर दाल डालकर मंदी आंच पर गुलाबी होने तक भूनते रहें। इसी बीच हींग भी डाल दें। भुन जाने पर उतार कर ठंडा करें। इसमें नमक, गुड़ व इमली का पेस्ट व थोड़ा पानी डालकर बारीक पीस लें। आवश्यकतानुसार गाढ़ा या पतला करें। इसे सूखा भी बनाकर रखा जा सकता है। जरूरत के समय इमली–गुड़ व पानी मिलाकर तैयार कर लें।

नारियल की मीठी चटनी

सामग्री: ताजा नारियल छिलका रहित व कद्दूकस किया हुआ एक प्याला, काजू- 4 से 5, चीची 2 बड़े चम्मच, नमक एक चुटकी, हरी इलायची- 2

यूं बनाएं: सारी सामग्री को मिलाकर मिक्सी में दरदरा पीस लें। इसे इलायची के बगैर भी बनाया जाता है।

करी पत्ता चटनी

सामग्री: ताजा करी पत्ता एक प्याला, ताजा नारियल कद्दूकस किया 2 बड़े चम्मच, भुनी चना दाल एक बड़ा चम्मच, हरी मिर्च 1 से 2, जीरा-आधा छोटा चम्मच, अदरक आधा इंच का टुकड़ा, इमली का पेस्ट एक बड़ा चम्मच, सरसों आधा छोटा चम्मच, तेल एक छोटा चम्मच।

यूं बनाएं: तेल गरम करें। इसमें राई, जीरा डालकर चटकाएं। अदरक व हरी मिर्च डालकर थोड़ा भूनें। अब करी पत्ता डालकर चलाते रहें। यह पत्ते हल्के कुरकुरे हो जाने चाहिए। मगर ज्यादा भी न भुन जाएं। अब भुने चने व नारियल डालकर दो मिनट चलाकर उतार लें। नमक व इमली का पेस्ट डालकर बारीक पीस लें।

टमाटर चटनी

सामग्री: मध्यम आकार के टमाटर - 4, लहसुन की कलियां-2 से 3, भुनी चना दाल एक बड़ा चम्मच, भुनी मूंगफली दाना एक बड़ा चम्मच, साबुत लाल मिर्च 3 से 4, अदरक कद्दूकस किया-एक छोटा चम्मच, लौंग-2, कालीमिर्च-3 से 4, नमक स्वादानुसार, गुड़ कद्दूकस किया एक बड़ा चम्मच।

तड़के के लिए: तेल-2 बड़े चम्मच, काली सरसों एक छोटा चम्मच, ताजा करीपत्ता 10 से 12, उड़द दाल एक छोटा चम्मच, चना दाल एक छोटा चम्मच, मेथी दाना 1/4 छोटा चम्मच।

यूं बनाएं: पेन में एक बड़ा चम्मच तेल गरम करें। इसमें आधा छोटा चम्मच राई, 5-6 करी पत्ते, लौंग, काली मिर्च, आधा छोटा चम्मच उड़द दाल, चना दाल, मेथी दाना व दो लालमिर्च डालकर हल्का गुलाबी करें। भुनी चना दाल व मूंगफली दाना डालकर एक मिनट चलाएं। आंच मंदी ही रखें। अब अदरक, लहसुन डालकर भूनें। फिर कटे टमाटर डालकर दो से तीन मिनट भूनते रहें। नमक डालकर ढक दें व पकने दें। टमाटर पक जाएं, तो मिश्रण ठंडा करें व गुड़ डालकर बारीक पीस लें। तड़के की शेष सामग्री से मिश्रण पर तड़का लगा दें।

वसीयत के शब्द चुनें सावधानी से

सुनील त्यागी

वसीयत एक ऐसा माध्यम है, जिससे कोई भी अपनी चल या अचल संपत्ति का विवरण निर्धारित कर सकता है। यह उसकी मृत्यु के बाद लागू मानी जाती है। इंडियन सक्सेशन एक्ट 1925 में एक वैध वसीयत लिखने की विभिन्न आवश्यक शर्तें दर्ज है। यह महत्वपूर्ण है कि इसमें उपयोग किए गए शब्द ऐसे हों जिनसे वसीयत करने वाले की मंशा स्पष्ट हो सके। इससे वसीयत में दर्ज उसकी इच्छानुसार संपत्ति का बंटवारा ठीक ढंग से हो सकेगा। एकल वसीयत के अलावा जांइट विल और म्यूचुअल विल भी अच्छा माध्यम है।

जॉइंट विल

जॉइंट विल (संयुक्त वसीयत) ऐसी वसीयत को कहते हैं, जिसे दो या उससे अधिक लोगों ने मिलकर एक वसीयत के तौर पर बनाया हो। इसमें शामिल हर एक वसीयतकर्ता अपने अकेले की संपत्ति या फिर साझेदारी की संपत्ति के बंटवारे की योजना को दूसरे की वसीयतकर्ता के साथ मिलकर या अकेले ही सिंगल जांइट विल में दर्ज करवा सकता है। अगर सभी वसीयतकर्ता के साथ मिलकर या अकेले की सिंगल जॉइंट विल में दर्ज करवा सकता है। अगर सभी वसीयतकर्ता यह लिखवाते हैं कि उनमें से कोई भी इसे रद्द करवाने का अधिकारी नहीं है, तो इसे ना तो रद्द किया जा सकता है, ना ही बाद में परिष्कृत किया जा सकता है। इसे सामान्य शब्दों में कहें, तो एक ही जॉइंट विल के माध्यम से ही दो या दो से अधिक वसीयतकर्ता उनकी संपत्ति को उनकी मृत्यु के पश्चात कैसे और किनमें बांटना है, के बारे में अपनी मंशा स्पष्ट करते हैं। इस तरह इसमें हरेक वसीयतकर्ता की संपत्ति के बंटवारे को लेकर इच्छा दर्ज होती है और उसकी मृत्यु के बाद उस जॉइंट वसीयत को हरेक वसीयतकर्ता की निजी वसीयत के तौर पर लिया जाता है। इस तरह उसकी संपत्ति का बंटवारा जॉइंट विल में दर्ज ब्यौरे के अनुसार किया जाता है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। एक पति-पत्नी अपनी-अपनी संपत्ति के उत्तराधिकार की वसीयत को एक ही डॉक्यूमेंट में दर्ज करवाते हैं। पति की मृत्यु पत्नी से पहले हो जाती है और उसकी संपत्ति का बंटवारा जॉइंट विल में दर्ज उसकी इच्छानुसार कर दिया जाता है। पति की मृत्यु से पहले और बाद में, पत्नी वसीयत को रद्द कर बदलकर संपत्ति को अपने हिसाब से बांटने को स्वतंत्रत होती है, लेकिन अगर जॉइंट वसीयत में इस बारे में कुछ विशिष्ट निर्देश है, तो वह ऐसा नहीं कर सकती।

म्युचुअल विल

जॉइंट विल से अलग म्यूचुअल विल को मिरर विल या कि रेसिप्रोकल विल भी कहा जाता है। म्यूचुअल विल को जॉइंट विल या फिर अलग-अलग वसीयतों के माध्मय से बनाया जा सकता हे। म्यूचुअल विल के माध्यम से दो या दो से अधिक वसीयतकर्ता पारस्परिक लाभ के लिए सहमत होते हैं। म्यूचुअल विल के संदर्भ में सभी वसीयकर्ता निजी स्तर पर वसीयतकर्ता और लाभार्थी दोनों की ही भूमिका में भी होते है। इसमें वसीयतकर्ता उसे रद्द करने या बदलवाने के लिए विशिष्ट निर्देश देने को स्वतंत्रत होते हैं। अगर वे इसे बदलवाने या रद्द करने के इच्छुक नहीं होते, तो इस बारे में उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। अगर शब्दों या अभिव्यक्ति का सही उपयोग नहीं हुआ है तो कोर्ट उसे म्यूचुअल वसीयत को ही वसीयतकर्ता की मंशा जानने का एकमात्र जरिया मानेगी। अगर स्पष्ट रूप से इसे बताया नहीं गया होगा। तो हरेक वसीयतकर्ता अपनी वसीयत को बदलवाने के लिए स्वतंत्र होगा। जैसे कि एक पति-पत्नी एक बाइंडिंग एग्रीमेंट के माध्यम से म्यूचुअल विल बनवाते हैं। जिसके अनुसार उनकी संपत्ति उनके बाद उनके बेटे और बेटी के बीच समान अनुपात में बांट दी जाएगी। पति की मृत्यु पहले हो जाती है और उसकी संपत्ति म्यूचुअल विल के अनुसार बांट दी जाती है। लेकिन बाद में उसकी पत्नी एक और वसीयत बनवाती है, जिसके अनुसार वह अपनी सारी संपत्ति अपने बेटे के नाम पर कर देना चाहती है, लेकिन ऐसे में पत्नी की वसीयत को अवैध माना जाएगा, क्योंकि म्यूचुअल विल बनवाते समय किए गए एग्रीमेंट को वह तोड़ नहीं सकती है और इस तरह पहले बनी म्यूचुअल विल को उसे मानना होगा।

संपत्ति बना लेना ही जरूरी नहीं होता। उसका उत्तराधिकार भी निर्धारित करना बहुत जरूरी होता है। वसीयतनामा इसका बेहतर माध्यम है। इसके कई रूप हैं, जिनमें से किसी का भी चयन किया जा सकता है, पर पहले इन्हें अच्छी तरह समझ लें।

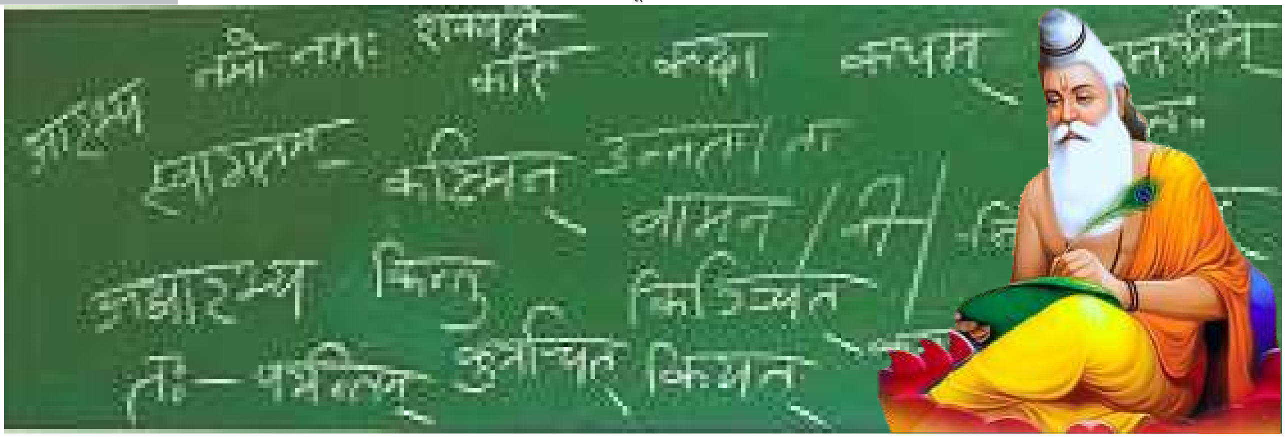

संभावनाओं की भाषा संस्कृत

पवन विजय

संस्कृत संस्थानों से पढ़ाई करके बेहतर करिअर निर्माण किया जा सकता है। यदि आप संस्कृत में अपना करिअर बनाना चाहते हैं तो हाई स्कूल की पढ़ाई से ही संस्कृत विषय का चुनाव करना चाहिए। बारहवीं पास करने के उपरांत उन संस्थानों में प्रवेश लेना होगा जो संस्कृत विषय में डिग्री और डिप्लोमा का पाठ्यक्रम करवाते हों। यदि उच्च शिक्षा में रुचि है तो संस्कृत विषय में स्नातकोत्तर किया जा सकता है लेकिन संस्कृत विषय में गहन शोध करने के लिए आपको डॉक्टरेट की उपाधि लेनी होगी।

केन्द्रीय विद्यालयों में संस्कृत भाषा को तीसरी भाषा के रूप में महत्त्वता दिए जाने पर वहां नौकरी के अवसर अधिक बढ़ चुके हैं। संस्कृत में अनुवादक और धर्म गुरु बनने के भी मौके आपको प्राप्त हो सकते हैं। इसके अलावा संस्कृत विषय की उत्कृष्ट शिक्षा हासिल करने के बाद विद्यालय, विश्वविद्यालय में बतौर शिक्षक या प्रोफेसर के तौर पर नौकरी मिल सकती है।

रोजगार के क्षेत्र

संस्कृत भाषा एवं विषय के अध्ययन के पश्चात् युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं, ये अवसर सरकारी, निजी और सामाजिक सभी क्षेत्रों में मौजूद हैं।

प्राथमिक अध्यापक: विशारद या शास्त्री की अर्हता वाले अभ्यर्थियों के लिए प्राथमिक शिक्षा में कॅरिअर बनाने का अवसर उपलब्ध है।

प्रवक्ता या प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक: माध्यमिक विद्यालयों में अनिवार्य और ऐच्छिक

विषय के रूप में संस्कृत विषय पढ़ाया जाता है। संस्कृत से स्नातक परीक्षा(शास्त्री, बीए) उत्तीर्ण और अध्यापन में प्रशिक्षण(बीएड) प्राप्त अभ्यर्थी इसके लिए पात्र होते हैं। समय-समय पर केवीएस व समस्त राज्यों के शिक्षा विभाग इसकी सूचना प्रकाशित करते रहते हैं।

प्रशासनिक सेवा: संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से प्रतिवर्ष रिक्तियां निकाली जाती हैं। संस्कृत से स्नातक युवाओं को प्रशासनिक सेवा में जाने के तमाम अवसर उपलबध हैं।

सहायक व्याख्याता: देश भर के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों एवं राज्य विश्वविद्यालयों में संस्कृत का अध्यापन किया जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर सहायक व्याख्याता की नौकरी कर सकते हैं।

अनुसंधान सहायक: कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को अनुसंधान के लिए छात्रवृत्ति मिलती है। पीएचडी करके उच्च शिक्षा में अनुसंधान के अवसर मिलते हैं।

अनुवादक: सरकारी व गैर सरकारी अनुवादक के लिए स्नातक स्तर पर संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी योग्य होते हैं। अनुवाद का काम स्वतंत्र रूप से भी किया जा सकता है।

समाचार वाचक: दूरदर्शन चैनल पर प्रतिदिन संस्कृत वार्ता(समाचार) और विशेष कार्यक्रम वार्तावली का प्रसारण किया जाता है। संस्कृत में प्रवीण युवाओं के लिए यहां कॅरिअर के विशेष अवसर उपलब्ध हैं।

लेखन: जिन युवाओं की साहित्य एवं सृजन में अभिरुचि है, वे संस्कृत साहित्य में लेखन कार्य कर सकते हैं। आजकल लेखन में, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, विज्ञापन, रेडियो, टेलीविजन आदि में संस्कृत की मांग है।

सेना में धर्मगुरु: भारतीय सेना में अधिकारी स्तर का धर्मगुरु का पद होता है। सेना के भर्ती बोर्ड द्वारा समय-समय पर इस पद हेतु रिक्तियां निकाली जाती हैं।

शिक्षण: वाराणसी, लखनऊ, उज्जैन, इन्दौर, इलाहाबाद, त्रिचूर, पुरी, मुम्बई, जयपुर, श्रृंगेरी, गरली(हिप्र), बांसवाड़ा, डूंगरपुर सहित देश के प्रमुख शहरों में ख्यातिनाम संस्कृत एवं वैदिक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय हैं। इसके अलावा ऑनलाइन पढ़ाई एक अच्छा और सुविधाजनक विकल्प है। वर्तमान में केवल भारत में ही नहीं बल्कि अनेक देश संस्कृत को अपने पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे में संस्कृत विषय को लेकर कॅरिअर की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

प्रत्यूष

वर्ष 2022 में आपके सितारे

नववर्ष की हार्दिक बधाई। यह वर्ष आपके लिए मंगलमयी हो। प्रस्तुत राशिफल स्थूल फलादेश मात्र है। सूक्ष्म फलादेश जन्म कुण्डली के अनुसार ही विचारणीय है। - **पं. शोभालाल शर्मा**

मेष-(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

यह वर्ष आपके लिए उथल-पुथल वाला रहेगा। कई चीजों में अच्छा परिणाम मिलेगा तो कुछ में नकारात्मक। यदि आप व्यापारी हैं तो शुरुआती समय में लाभ होगा, बाद में खर्चें बढ़ जाएंगे, लेकिन आय उतनी नहीं होगी। नौकरी में उन्नति होगी और नई नौकरी भी मिल सकती है। घर के किसी सदस्य का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। परिवार में किसी पुरानी बात को लेकर कलह के भी संकेत हैं। यदि आप विवाहित हैं तो ससुराल पक्ष से पूर्ण सहयोग मिलेगा और रिश्तेदारों से भी धन लाभ होगा। पढ़ाई के क्षेत्र में सफलता तो मिलेगी, लेकिन उससे संतुष्ट नहीं होंगे। इस वर्ष करियर को लेकर गंभीर होंगे और कुछ चीजों में इन्वेस्ट करने का भी भी सोच सकते हैं। मित्रों से घनिष्ठ संबंध बनेंगे और उनसे उचित मार्गदर्शन मिल सकता है। शरीर ठीक रहते नित्य की जीवनचर्या सामान्य रहेगी। आकस्मिक व्यय होगा। जमीन-जायदाद विवाद से मानसिक क्षोभ संभव। विशेष उदार मनोवृत्ति नहीं रखते हुए संतुलित व्यय करें। नित्य प्रात: तथा रात्रि शयन के पूर्व 24 बार (ओं प्रां प्रौं स: शनये नम:) बीज मंत्र का श्रद्धा से जाप करें।

वृष -(इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

इस वर्ष का गोचर ग्रह न्यास तथा दिनमान का प्रतिफल विशेष श्रीकर नहीं अपितु सामान्य प्रतिफलदायक है। आपकी योग्यता, कार्य कुशलता के अनुरूप लाभ में कमी रहेगी। विकास एवं सुख सम्पदा अभिवृद्धि हेतु चिंतन करें। यात्रा परिभ्रमण के योग है। वर्ष के मध्य भाग में दिनमान में अभिनव गतिविधि या प्रारंभ होने से मानसिक संतोष एवं अनुकूल वातावरण की स्थिति बनेगी। वर्ष की शुरूआत में कुछ अड़चने जरूर आएंगी लेकिन धीरे-धीरे दूर होती जाएंगी। घर में किसी सदस्य की तबीयत खराब होगी, जिससे खर्चा बढ़ जाएगा। बच्चों के प्रति स्वभाव मृदु रहेगा और उनके लिए कुछ विशेष करने का प्रयास करेंगे। वर्ष के अंत तक परिवार में कोई नयी खुशी भी आ सकती है। इस वर्ष आपको एक सावधानी रखने की आवश्यकता है और वह यह कि लड़ाई-झगड़े में पड़ने से बचें अन्यथा मामला कोर्ट-कचहरी तक पहुंच सकता है। जो परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा। विद्यार्थियों को इस वर्ष कोई सफलता मिलेगी। मन लगाकर अध्ययन करें। महिलाएं पारिवारिक कलह से बचें और स्वास्थ्य पर ध्यान दें, प्रात:काल प्राणायाम करें।

मिथुन-(का, की, कू, ध, ङ, छ, के, को, ह)

वर्ष की शुरुआत बहुत शुभ रहेगी, यदि अविवाहित है तो विवाह के प्रस्ताव आएंगे और वर्ष के मध्य में शादी का योग है। घर में किसी बात को लेकर प्रसन्नता रहेगी लेकिन भाई या बहन के साथ किसी बात को लेकर मन-मुटाव भी होगा। हालांकि यह जल्दी सुलझ भी जाएगा, लेकिन किसी बात को लेकर मन में गांठ रह जाएगी। नौकरी करते हैं तो इस वर्ष नौकरी में कम रूचि रहेगी और मन अपना कुछ नया करने पर रहेगा। यदि आपके पिता व्यापारी हैं तो उनके साथ भी सहयोग कर सकते हैं या उनकी सहायता से अपना कोई नया व्यापार खड़ा कर सकते हैं। कोई भी निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचें। इस वर्ष जो बात मुख्य रूप से ध्यान रखनी है, वह यह कि वाणी पर नियंत्रण रखें क्योंकि कई ऐसे अवसर आएंगे जब शायद आपा खो बैठें और किसी को कुछ ऐसी बात कह दें जिसके लिए वे आपको कभी क्षमा ना कर पाएं। वर्ष का गोचर गतिचार एवं दिनमान का चलन-कलन ज्यादा शुभ फल संचारक नहीं होगा। सुयोग की न्यूनता से सुख-सम्पदा अभिवृद्धि में बाधा होगी। भाग्य-राज्य-कर्म-पुण्य-प्रताप विकास में व्यवधान रहेगा।

कर्क-(ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

इस वर्ष का दिनमान गोचर गतिचार एवं दशा पथ का सामान्य फल है। मध्य मार्ग से जन-जीवनीय गतिविधि का चलन-कलन बनेगा एवं भाग्य-राज्य कर्म सामान्य रहेगा। यह वर्ष यात्रा प्रवास-परिभ्रमण हेतु विशेषकर गतिशील रहेगा। किसी कार्य में श्रम साधना विशेष करनी होगी। मस्तिष्क एवं वैचारिक संतुलन तथा निर्णय लेने में कमी तथा आकस्मिक व्यय खर्च का अधिक होगा। यदि आप व्यापारी है तो उन्नति होगी और नए समझौते होंगे। इसके साथ ही वर्ष के मध्य में अपने प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी चुनौती भी मिलेगी और शायद वे आपका कुछ अहित भी करें। नौकरी करते हैं या उसकी तलाश में है तो नई नौकरी तो मिलेगी, लेकिन उसमें मन नहीं लगेगा। जिस कारण कुंठित रहेंगे। किसी नए काम की तलाश रहेगी और वह आपको जल्दी नहीं मिलेगा। प्रेम संबंध में हैं तो रिश्तों में खटास उत्पन्न होगी और कई गलत फहमियां भी होंगी। इस कारण रिश्ता टूट भी सकता है, लेकिन यदि आपने धैर्य और संयम से काम लिया तो बहुत कुछ होने से रोका जा सकता है। परिवार में सभी के साथ संबंध अच्छे और रिश्ते सामान्य रहेंगे। अगस्त और सितंबर के महीने लिए भारी हैं।

सिंह-(मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

परिवार का शुरू में तो साथ मिलेगा, लेकिन बाद में घर में किसी बात को लेकर कलेश भी होगा। प्रोपर्टी या संपत्ति के विवाद को लेकर बात बढ़कर कोर्ट-कचहरी तक भी पहुंच सकती है। घर में अशांति रहेगी। निजी नौकरी करते हैं तो इस वर्ष काम का दबाव ज्यादा रहेगा और काम के सिलसिले में यात्राएं भी करनी पड़ सकती हैं। व्यापार में कुछ घाटा संभव है। जिससे जल्दी उबर नहीं पाएंगे। खर्चों पर नियंत्रण की आवश्यकता है। वैवाहिक जीवन में भी कुछ अड़चनें आएंगी। वार्षिक गोचर गतिपथ अनुसार सुयोग निर्माण 70 प्रतिशत तथा कुयोग की रचना 30 प्रतिशत विदित होती है। शरीर, सुख, स्वास्थ्य, गतिक्रम, सामान्य क्रम से अनुकूल ही रहे तथा दिनचर्या, रात्रिचर्या का प्रारूप ठीक बनें। उद्योग धंधा, कार्य व्यवसाय में मनोत्साह रहेगा। नवीन परियोजना की रूपरेखा बनेगी। बचत में वृद्धि, अवरोधित रकम का आगमन, समस्या समाधान में सुखद संदेश मिलेगा। व्यय प्रारूप शुभ कार्यों में होगा तथा जीवन के विकास में योगदान मिलेगा। परिवार एवं मित्र, बांधव, सहयोगी तथा अधिकारीगण से संतोष व अनुकूल वातावरण मिलेगा।

कन्या-(टो, पा, पी, यू, ष, ण, ठ, पे, पो)

इस वर्ष का ग्रह जनित संचार दिनमान परिचक्र का चलन-कलन आंशिक रूप से कारक योग है। विगत वर्ष की अपेक्षा विकास हेतु शुभ फलदायी है। राज्य-कर्म-भाग्य की दृष्टि से शुभ है। विशेष कार्य योजना बनेगी। नवसम्पर्क से व्यवसाय वृद्धि। आपकी कार्यक्षमता कला-कौशल पात्रता अनुरूप प्रतिफल न मिलने से मानसिक असंतोष रहेगा। मनोबल आत्म विश्वास हेतु क्रियाशील रहें। अपनी शक्ति से बाहर कार्य गति का विस्तार नहीं करें एवं संतुलित नियमित जीवनीय गतिक्रम पर धारणा रखें। वर्ष की शुरूआत में तो खुश रहेंगे और सब कुछ अच्छा चलेगा, लेकिन मार्च आते-आते आपको अपने कार्य- नौकरी में परेशानी होने लगेगी। कई ऐसे अवसर आएंगे जब आप नई नौकरी की तलाश में रहेंगे, लेकिन यह आपके लिए इतना आसान नहीं रहेगा। परिवार में परेशानी रहेगी। कई चीजें ऐसी होगी जिसमें आपको किसी और का सहयोग लेना पड़ेगा या कर्जा बढ़ जाएगा। कृषि के क्षेत्र में भी नुकसान होगा। इस वर्ष बजट को संकुचित करें और खर्चों पर लगाम लगाएं। वर्ष के अंत में थोड़ी राहत मिलेगी और स्थिति सुधर जाएगी।

इस माह के प्रमुख पर्व

1 जनवरी	पौष कृष्णा चतुर्दशी	वर्ष 2022 प्रारंभ
9 जनवरी	पौष शुक्ला सप्तमी	गुरु गोविंदसिंह जयंती
12 जनवरी	पौष शुक्ला दशमी	स्वामी विवेकानंद जयंती
13 जनवरी	पौष शुक्ला एकादशी	लोहिड़ी
14 जनवरी	पौष शुक्ला द्वादशी	मकर संक्रांति
17 जनवरी	पौष पूर्णिमा	माघ स्नान प्रारंभ
23 जनवरी	माघ कृष्णा पंचमी	नेताजी सुभाष जयंती
26 जनवरी	माघ कृष्णा नवमी	गणतंत्र दिवस
29 जनवरी	माघ कृष्णा द्वादशी	शीतलनाथ जयंती

व्यापार आरंभ मुहूर्त

15 जनवरी	पौष शुक्ला त्रयोदशी
22 जनवरी	माघ कृष्णा चतुर्थी
23 जनवरी	माघ कृष्णा पंचमी
24 जनवरी	माघ कृष्णा षष्ठी
27 जनवरी	माघ कृष्णा दशमी

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त

15 जनवरी	पौष शुक्ला त्रयोदशी
27 जनवरी	माघ कृष्णा दशमी

तुला -(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

वर्ष की शुरुआत उत्तम रहेगी और जो आप चाहेंगे वैसा ही होगा। यदि कहीं निवेश है तो उसमें लाभ मिलेगा। उत्तेजित होने से बचें और किसी व्यक्ति के साथ निजी लाभ की जानकारी साझा ना करें। व्यापारी हैं तो शुरूआत में कुछ घाटा संभव हैं, लेकिन धीरे-धीरे यह लाभ में बदल जाएगा। आपके नए मित्र भी बनेंगे और आपकी छवि भी सकारात्मक बनेगी। नौकरी करते हैं तो इस वर्ष नौकरी से संतुष्ट दिखाई देंगे और ध्यान अपने आप में अधिक सुधार लाने पर रहेगा। घर में सभी आपसे प्रसन्न रहेंगे। घर में मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। सामाजिक-राजनैतिक-आर्थिक जीवन में अनुपातिक न्यूनता का असर रहेगा। परिवार व सुख पक्ष ठीक रहेगा। भूमि, भवन, माता-पिता, अनुचर, सहयोगी जन से कुछ असंतोष रहेगा। इच्छानुकूल यश सम्पदा के विकास में कमी तथा मानसिक असंतोष, विभावना विशेषकर रहे। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। अधिकारी वर्ग से अनुकूल वातावरण में कमी रहेगी। शनि जनित ढाई वर्षी गतिचार भी बना है, स्थिति समाधान हेतु सिद्ध विधान की शनि मुद्रिका धारण करना उचित है।

वृश्चिक -(नो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

इस वर्ष का सामुदायिक ग्रह न्यास तथा गोचर पथ का प्रभाव आपके नित्य जीवन हेतु सुखद योगकारक है। भाग्योदय-कर्मोदय-राज्योदय पक्षों में सार्थक फल का संकेत है। राजनीतिक, कला व विद्या अध्ययनरत अथवा शासकीय सेवारत वर्ग के लिए अभिनव अवसर है। नूतन कार्य योजना-नवसम्पर्क-अस्तित्व वर्चस्व विकास हेतु दिनमान अनुकूल धारक श्रीकर ही प्रतीत होता है। अपनी कार्य क्रियाशक्ति के चलन-कलन में अनुकूल गतिमति रहेगा। समाधान भी मिलेंगे। सांसारिक सुख प्रसाधनों की आपूर्ति से जीवन में अभिनव मनोत्साह कायम होवे। बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता में रहेंगे, लेकिन कोई खुशखबरी भी मिलेगी। घर के किसी सदस्य की लम्बित शादी भी हो सकती है। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और उनके साथ कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम भी बनेगा। निवेश से कुछ घाटा संभव है। भाई-बहन के साथ रिश्ते मजबूत बनेंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। उन्हें कोई बीमारी है तो इलाज करावें अन्यथा स्थिति बिगड़ सकती है। घर के कुछ मामलों को लेकर अड़चन आएंगी और आप उलझन में रहेंगे। मैनेजमेंट के क्षेत्र में कुछ चुनौतियां मिलेगी।

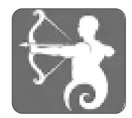

धनु-(ये, यो, भा, भी, धा, फा, दा, भे)

यदि आपके विवाह को दो वर्ष से अधिक का समय हो गया है तो रिश्तों में कुछ कड़वाहट आएगी और आपको अपने ससुराल पक्ष से मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। घर की बातों को बाहर कहने से बचें अन्यथा नुकसान होगा। बच्चों की पढ़ाई को लेकर भी चिंता रहेगी। फिजूल के खर्चों पर लगाम लगाएं और परिवार में किसी बड़े से परामर्श लें। नयी चीजों को सीखने पर जोर रहेगा और इसमें आपको अपने किसी मित्र का सहयोग मिलेगा। व्यापार में नया सौदा हो सकता है जो भविष्य की दृष्टि से लाभदायक रहेगा। वर्ष के मध्य में स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें और समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच करवाते रहें। सरस्वती यंत्र धारण करें। महिलाएं पारिवारिक कलह में ना फंसे। वार्षिक ग्रह चलन अनुसार कुयोग का मापक 70 प्रतिशत और सुयोग का प्रभाव 30 प्रतिशत है। इसी सारभूत तथ्य अनुसार नित्य जीवन गतिमान रहेगा। आरोग्य दृष्टि से भी चिंता रहेगी। अपने कार्य, व्यवसाय, उद्योग धंधा में श्रम साधना अनुसार लाभांश नहीं तथा आय की अपेक्षा खर्चे अधिक होंगे। परिवार सुख में न्यूनता रहेगी। मनोविकार तथा आत्मबल क्रिया शक्ति, वाचाशक्ति में क्षीणता रहेगी।

मकर-(जो, ज, जी, खी, खू, खे, गा, गी)

वर्ष की शुरुआत में आपको अपने परिवार का भूरपूर सहयोग मिलेगा और परेशानियां दूर होंगी। यदि आप विवाह की प्रतीक्षा में हैं तो मार्च-अप्रेल के महीने में अच्छा रिश्ता आएगा लेकिन ध्यान ना देने के कारण वह हाथ से निकल भी सकता है, जिसका पछतावा आपको बाद में होगा। घर में माहौल धार्मिक रहेगा और सभी के बीच आपसी प्रेम में बढ़ोत्तरी होगी। सभी के बीच आपका मत मायने रखेगा और अपनी बात को खुलकर रख पाएंगे। एकल परिवार में रहते हैं तो घर में कोई नया मेहमान आ सकता है, जिससे खुशी का माहौल रहेगा। नौकरी की तलाश में हैं तो इस वर्ष के मध्य में दो से तीन अच्छे अवसर आएंगे। ऐसे में कोई भी निर्णय लेने से पहले उस पर अच्छे से विचार करें। अपनों से बड़ों का परामर्श बहुत काम आएगा। वर्ष के मध्य में मानसिक तनाव रह सकता है, जो लम्बे समय तक चलेगा। किसी से बात साझा करने से बहुत मुद्दे सुलझ जाएंगे, लेकिन यदि बातों को मन में रखेंगे तो चीजें और भी उलझेंगी। किसी प्रकार का जोखिम लेने की कोशिश नहीं करें। कार्य व्यवसाय उद्योग-धंधा में सामान्य गति, लाभांश में न्यूनता तथा आकस्मिक व्यय अधिक होगा।

कुंभ -(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

इस वर्ष की दिन-दशा का कालांश एवं गोचर गणना का चलन-कलन विशेष शुभ फल का संचालक नहीं है। लेन-देन सौदा सूत में विचारपूर्वक क्रियाशील रहें, जोखिम का अवसर नहीं लेंवे। निज शक्ति से बाहर कार्य योजना को गति नहीं देंवे। असामयिक व्यय प्रभार संभव है। लेन-देन में स्पष्टता का रूख अपनावें तथा नियोजित एवं संतुलित खर्चे पर ध्यान दें। नवीन परियोजना में उन्नत लाभांश के सुयोग हैं, कर्म क्षेत्र को अपनी शक्ति अनुकूल बनावें। व्यवहार में संतुलन रखें और शांत मन से काम का प्रयास करें। मित्र से सहयोग तो मिलेगा लेकिन बाद में वही आपका नुकसान भी कर सकता है। इसलिए संभल कर रहे। माता-पिता से विचार-विमर्श कर ही कोई निर्णय लें। कॉलेज के प्रोजेक्ट में सफलता मिलेगी और अध्यापकों की प्रशंसा के पात्र बनेंगे। सहपाठी भी भरपूर सहयोग करेंगे। कुछ नया कीर्तिमान स्थापित होगा। महिलाओं के पूजन, भजन, यजन से समस्त कार्य पूर्ण होंगे, उपासना में ध्यान दें।

मीन -(दी, दू, थ, झ, त्र, दे, दो, चा, ची)

इस वर्ष की ग्रह गणना एवं गोचन गतिचार दिनमान का चलन-कलन शुभ फल संचारक बना है। सुयोग अभिवृद्धि का अवसर होकर सुख सम्पदा, विकास, यश का सूत्रपात होगा। अवरोधित कार्यों में नूतन गति, नव कार्य रचना के अवसर प्राप्त होंगे। वर्ष के अंत में आपके काम को सराहा जाएगा और उसके बदले आपको प्रमोशन भी मिल सकता है। व्यापार में लाभ होगा और आप अपनी नयी शाखाएं खोलने का विचार करेंगे और व्यापार को नए आयाम देंगे। जून-जुलाई के महीने में घर में धार्मिक अनुष्ठान होने के संकेत हैं जिस कारण पारिवारिक माहौल धार्मिक रहेगा। सभी का आपके प्रति विश्वास और मजबूत होगा और आप भी उनके विश्वास को कायम रखेंगे। अनजान व्यक्ति से उलझने से बचें। कोर्ट-कचहरी का मामला चल रहा है तो व्यवहार में संतुलन रखें और कोई भी ऐसा कार्य ना करें जिससे बाद में परेशानी उठानी पड़े। विद्यार्थी वर्ग शिक्षा में मन लगाएं तथा प्रतियोगिताओं में भाग लें, नई नौकरी के योग-संयोग हैं।

प्रीमियम सीमेंट-वंडर सीमेंट एक्सट्रीम लॉन्च

जयपुर। राजस्थान में देश की अग्रणी सीमेंट उत्पादन कंपनियों में से एक वंडर सीमेंट ने अपने पहले प्रीमियम सीमेंट वंडर सीमेंट एक्सट्रीम को लॉन्च किया। यह प्रोडक्ट खास, कंकरीट व निर्माण कार्यों के लिए एक विशेष उत्पाद है। जो पर्यावरण के अनुकूल भी है और निर्माण को अधिक मजबूती देता है। चेयरमैन अशोक पाटनी, वाइस चेयरमैन विमल पाटनी, ऑल टाइम निदेशक इब्राहिम अली, मैनेजिंग निदेशक किरण पाटील, निदेशक विवेक पाटनी, निदेशक रिषभ पाटनी, मैनेजिंग डायरेक्टर खुशाल सोगानी, मैनेजमेंट एडवाइजर आरएस महनोत, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर संजय जोशी, निदेशक परमानंद पाटीदार एवं ज्वाइंट डायरेक्टर मनीष संघी आदि की मौजूदगी में लॉचिंग हुई। एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर संजय जोशी ने बताया कि वंडर सीमेंट एक्सट्रीम आधुनिक तकनीक एवं उच्च क्वालिटी के मिश्रण से तैयार एक ऐसा सीमेंट है जो विशेष रूप से उच्च परफॉर्मेंस कंकरीट के लिए विकसित किया गया। यह सीमेंट आईएस 1489 के अंतर्गत बनाया गया है। यह सीमेंट वर्षों के शोध, महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अभी तक के अनुभव और सिविल इंजीनियर्स के सुझावों का परिणाम है।

सॉफ्टबॉल में उदयपुर का रजत पदक पर कब्जा

लक्षित प्रजापत

उदयपुर। पैसठवीं राज्यस्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता (14 वर्ष छात्र) का आयोजन वेदांत अकादमी मुकुन्दरा, जयपुर में संपन्न हुआ। उदयपुर टीम मेंटर अरुण कोठारी ने बताया कि उपविजेता रही उदयपुर टीम को मेडल और ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया गया। उदयपुर टीम के साथ गणपतलाल मेनारिया, प्रकाशचन्द्र सुथार, जयदीप सिंह चौहान और राजू माली प्रशिक्षक की भूमिका में रहे। कप्तान ललित बंजारा (कूंथवास स्कूल) के अनुसार सेमीफाइनल में टीम ने भीलवाड़ा को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका मुकाबला जयपुर से हुआ। छोटा बेदला के नोबल्स पब्लिक सेकेंडरी स्कूल के आठवीं कक्षा के छात्र लक्षित प्रजापत ने भी जीत में अपने उत्कृष्ट खेल का योगदान दिया।

किडनी केयर आरजीएसएच में पंजीकृत

उदयपुर। फतहपुरा स्थित किडनी केयर हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर को राजस्थान सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना आरजीएचएस (राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम) के साथ पंजीकृत कर लिया गया है। इस योजना के तहत अब किडनी केयर हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर में सभी प्रकार के किडनी संबंधित इलाज की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सेंटर पर किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया गुप्ता की टीम इलाज उपलब्ध कराएगी।

पवन खेड़ा व रघुवीर मीणा सम्मानित

राष्ट्रीय चरित्र निर्माण शिक्षकों का दायित्व : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की ओर से आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक व्याख्यानमाला में सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच व पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को समाज सेतु, पूर्व सांसद एवं कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रघुवीर मीणा को समाज रत्न सम्मान से नवाजा। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा प्रशासनिक भवन में पीठ स्थविर कार्यालय का शुभारंभ किया गया। अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने किया। इस अवसर पर कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि जनुभाई ने हर वर्ग को साथ लेकर संस्थान को आगे बढ़ाया है। समारोह में रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. हरीश चौबीसा ने किया। समारोह में विद्यापीठ के डीन व डायरेक्टर उपस्थित थे।

निमावत उपाध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर। डॉ. अम्बेडकर जयंती समाज समिति अध्यक्ष इंजीनियर शैलेंद्र चौहान ने जयप्रकाश निमावत को समिति का उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

अरबन बैंक राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

वजीरानी को बेस्ट वूमन ऑफ द ईयर अवार्ड

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. को गोवा में बैंकिंग फ्रंटियर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन में तीन अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैंक के प्रबंधक (प्रशासन) जे.पी. जोशी के अनुसार बैंक चेयरपर्सन विमला सेठिया, संस्थापक अध्यक्ष डॉ. आई.एम. सेठिया एवं प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी को यह सम्मान गोवा के सहकारिता सचिव सी.आर. गर्ग आईएएस, बैंकिंग फ्रंटियर के निदेशक बाबू नायर एवं मनोज अग्रवाल, महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक प्रमोद करनाड ने प्रदान किए। चेयरपर्सन विमला सेठिया के अनुसार छोटे बैंकों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर बैंक को बेस्ट को-ऑपरेटिव बैंक एवं बेस्ट एनपीए मैनेजमेंट अवार्ड प्रदान किए गए तथा प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी के विगत 22 वर्षों से सहकारिता क्षेत्र में सक्रिय योगदान के मद्देनजर वूमन ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया, जो कि बैंक के लिए अत्यंत संतोषजनक उपलब्धि है।

श्री सीमेंट को ऊर्जा संरक्षण में प्रथम पुरस्कार

बांगड़सिटी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की ओर से विद्युत भवन जयपुर में 14 दिसम्बर को राज्य स्तरीय समारोह में श्री सीमेंट को सीमेंट सेक्टर में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऊर्जा राज्य मंत्री भंवरसिंह भाटी ने कंपनी के वरिष्ठ महाप्रबंधक जे.पी. आमेटा व ऊर्जा प्रबंधक संजयसिंह को ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, ऊर्जा दक्षता विकास नवीन तकनीक का समावेश तथा पारदर्शिता के निर्वहन के लिए यह पुरस्कार दिया। कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक पी.एन. छंगाणी, अध्यक्ष (वाणिज्य) संजय मेहता एवं संयुक्त अध्यक्ष (वाणिज्य) अरविंद खीचा ने पुरस्कार प्राप्ति पर हर्ष व्यक्त किया है।

डबोक में गोशाला का शिलान्यास

गो सेवा ही मानव सेवा - सुकन मुनि

उदयपुर। प्रवर्तक सुकन मुनि ने डबोक में 2 दिसम्बर को नाकोडा गुरु सुकन कन्हैया प्यारी गोशाला की आधारशिला रखी। उप प्रवर्तक अमृत मुनि, महेश मुनि, नानेश मुनि, अखिलेश मुनि, डॉ. वरूण मुनि आदि के सानिध्य में कार्यक्रम हुआ। संयोजक अरविंद झगड़ावत के अनुसार के.पी. झगड़ावत ट्रस्ट के संरक्षक भंवरलाल अरविंद कुमार, हितेश कुमार आदि की मौजूदगी में आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता गुलाबचंद कटारिया थे। विद्यापीठ के कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, संघ के प्रकाश चन्द्र झगड़ावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही। सुकन मुनि ने कहा कि परोपकार से बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता है। कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज के साथ हुआ। कार्यक्रम में समाज सेवा में उल्लेखनीय व्यक्तित्वों को सम्मानित भी किया गया।

भीमगढ़ में कक्षा-कक्षों का उद्घाटन

बांगड़सिटी - रास। श्री सीमेंट लिमिटेड के श्री फाउण्डेशन ट्रस्ट की ओर से सामाजिक सरोकारों के तहत भीमगढ़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में निर्मित कक्षाकक्षों व चार दीवारी का उद्घाटन पिछले दिनों कम्पनी के सहायक उपाध्यक्ष (कार्मिक-प्रशासनिक) विनयकुमार दुबे ने किया। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास का आधार मात्र शिक्षा ही है। इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक डी.सी. गुप्ता, प्रबंधक (सीएसआर) विशाल जायसवाल, देवकरण गुर्जर, जयसिंह, तेजसिंह आदि भी मौजूद थे। एक कन्या के विवाह पर उसे कम्पनी की ओर से गृहस्थी का सामान भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य कपिल चौधरी, कम्पनी के समाजसेवी विभाग से रोहित शर्मा, देवेश खन्ना, मुजफ्फर अली, गुमानसिंह, चांदमल माली व ग्रामीण भी उपस्थित थे।

डॉ. पाईवाल क्लिनिक टॉप-10 क्लिनिक में

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय बिजनेस मैग्जीन सिलिकोन इंडिया ने अपने वार्षिक अंक में उदयपुर के डॉ. पाईवाल फिजियोथेरेपी और डायबिटीक फुट केयर को देश के 10 मोस्ट प्रोमिसिंग फिजियोथैरेपी क्लिनिक में स्थान दिया है। क्लिनिक के फिजियो डॉ. गौरव पाईवाल ने बताया कि ये उपलब्धि उन्हें 14 वर्षों से रीढ़ की गादी और जोड़ों के दर्द का इलाज अत्याधुनिक लेजर और टेकार तकनीक से करने के लिए मिली है।

सिंघवी को पब्लिक इमेज सेवा सम्मान

उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर के पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी को महाबलीपुरम में आयोजित दक्षिण एशिया रोटरी सम्मेलन में पब्लिक इमेज उत्कृष्ट सेवा सम्मान से नवाजा गया। क्लब सचिव हेमंत मेहता ने बताया कि यह सम्मान सिंघवी द्वारा भारत के पूरे रोटरी जोन चार में मानव सेवा के अनुकरणीय कार्यों के लिए रोटरी इंस्टीट्यूट में अंतर्राष्ट्रीय निदेशक एवं रोटरी फाउंडेशन ट्रस्टी डॉ. भरत पंड्या एवं संयोजक दीपक अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया।

महिला समृद्धि बैंक को तीन अवार्ड

उदयपुर। महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड उदयपुर ने सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर तीन अवार्ड हासिल किए हैं। बैंक अध्यक्ष विद्या किरण अग्रवाल ने बताया कि गोवा में हुए राष्ट्रीय सहकारिता अधिवेशन में महिला समृद्धि बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत एवं आईटी हेड निपुण चित्तौड़ा ने भाग लिया। बैंक ने लीडरशिप अवार्ड आईटी हेड ऑफ द ईयर, बेस्ट डिजिटल बैंकिंग और बेस्ट ई-पेमेंट इनिशिएटिव अवार्ड हासिल किया।

डॉ. मंगल पीएचसीएच प्राचार्य एवं नियंत्रक

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल में डॉ. एम.एम. मंगल ने प्राचार्य एवं नियंत्रक का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, सीईओ शरद कोठारी, पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. ए.पी. गुप्ता एवं एडवाइजर टू चेयरमैन डॉ. डी.पी. अग्रवाल ने डॉ. मंगल को मेवाड़ी, पाग व उपरणा ओढ़ाकर सम्मानित किया।

अशोक तम्बोली वरिष्ठ उपाध्यक्ष

जयपुर। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन (इंटक) के चुनाव में उदयपुर के अशोक तम्बोली को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया है। संगठन के मुख्य संरक्षक राज्य के खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, घनश्यामसिंह राणावत चित्तौड़ व पूर्व प्रांतीयअध्यक्ष हनुमान सहाय सैनी बनाए गए हैं। प्रदेशाध्यक्ष शमीम कुरैशी व महामंत्री गोवर्धन सैनी निर्वाचित किए गए।

अनुप्रीत कोचिंग की जानकारी दी

उदयपुर। एमजी कॉलेज के तत्वावधान में मुख्यमंत्री अनुप्रीत कोचिंग योजना के प्री एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु फ्री कोचिंग की जानकारी दी गई। चाणक्य अकादमी की डॉ. मनीषा भारद्वाज ने बताया कि बड़े काम की शुरुआत स्वप्न देखने से ही शुरू होती है। छात्राएं अपनी सामर्थ्य को पहचानें व जीवन में आगे बढ़ें। रिटायर्ड आईजी आनंद वर्धन शुक्ल व टीआरआई उपनिदेशक महेश जोशी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

गिरीश अध्यक्ष व डॉ. राजोरा उपाध्यक्ष

गिरीश

डॉ. राजोरा

उदयपुर। हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स की जिला कार्यकारिणी में गिरीश भारती जिलाध्यक्ष तथा डॉ. धर्मेन्द्र राजोरा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। यह मनोनयन जिला सचिव हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा उदयपुर की अनुशंसा पर किया गया।

प्रो. जिंदल को राष्ट्रीय सम्मान

उदयपुर। भारतीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान (आईआईआईई) मुम्बई द्वारा एच.के. फिरोदिया अवार्ड के लिए उदयपुर के प्रो. सुधाकर जिंदल का चयन किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्रो. जिंदल को उनके औद्योगिक अभियांत्रिकी, अध्यापन व शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य एवं व्यावसायिक सेवाओं के लिए दिया गया। गत वर्ष महाराणा प्रताप कृषि एवं अभियांत्रिकी विश्वविद्यालय से 37 वर्षों की सेवा के पश्चात विभागाध्यक्ष अभियांत्रिकी विभाग के पद से सेवानिवृत्त होकर वर्तमान में गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज डबोक में निदेशक आईक्यूएसी के पद पर कार्यरत हैं।

रॉयल मोटर्स व मनामा पर नई प्लेजर लॉन्च

उदयपुर। हीरो मोटो कॉर्प के डीलर रॉयल मोटर्स पर समाजसेवी गणेश डागलिया, कम्पनी के एरिया सेल्स मैनेजर राहुल तिवारी व रॉयल मोटर्स के प्रबंध निदेशक शेख शब्बीर मुस्तफा ने नई प्लेजर गाड़ी को लॉन्च किया। इस मौके पर पांच गाड़ियों की डिलीवरी भी दी गई। मुस्तफा ने बताया कि कम्पनी ने गाड़ी को मोबाइल से कनेक्ट कर लोकेशन, स्पीड का पता लगाने का फीचर भी दिया है।

मनामा पर भी लांचिंग: हीरो मोटो कॉर्प के ही अन्य डीलर मनामा मोटर्स पर भी डीटीओ कल्पना शर्मा, कम्पनी के एरिया सेल्स मैनेजर राहुल तिवारी व मनामा मोटर्स के प्रबंध निदेशक हुसैन मुस्तफा ने नई प्लेजर की लॉंचिंग की। इस अवसर पर कल्पना शर्मा ने कहा कि नई प्लेजर को मोबाइल से गाड़ी की स्पीड व वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सकेगा।

वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल सम्मानित

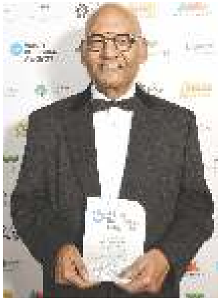

मुम्बई। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल को एशियन बिजनेस अवार्ड 2021 से उनके द्वारा समाजहित में किए गए कल्याणकारी कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फिलैंथ्रपी अवार्ड से सम्मानित किया गया। पिछले दिनों लंदन में आयोजित अवार्ड समारोह में अग्रवाल ने कहा कि इस पुरस्कार को प्राप्त कर मैं गौरवान्वित हूं। एशियन बिजनेस अवार्ड ब्रिटेन के सबसे अधिक प्रचलित अंग्रेजी भाषा के एशियाई समाचार पत्र, ईस्टर्न आई द्वारा प्रदान किया जाता है।

गुर्रानी अध्यक्ष, चुघ महासचिव बने

मनोहर गुर्रानी

राजेश चुघ

उदयपुर। सिंधी धर्मशाला एसोसिएशन के चुनाव हुए। इसमें मनोहर गुर्रानी अध्यक्ष, राजेश चुघ महासचिव, उपाध्यक्ष सुदामा मल विरवानी, हरीश सिधवानी, सचिव प्रहलाद खथूरिया, किशन वाधवानी, कोषाध्यक्ष मुकेश खूबचंदानी को चुना गया।

भाणावत की डबल हैट्रिक

उदयपुर। डॉ. विनय भाणावत ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में छह बार अपना नाम दर्ज करवा डबल हैट्रिक से इतिहास रच दिया। मेवाड़ फिलैटली सोसायटी संस्थापक अध्यक्ष डॉ. भाणावत ने भारतीय करेंसी नोटों में 786 संख्या वाले सर्वाधिक 99,000 अवितरित नोटों का संग्रह कर यह उपलब्धि हासिल की। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की मुख्य संस्थापक वत्सला कौल बनर्जी ने गुरुग्राम स्थित कार्यालय से प्रमाण पत्र जारी कर बधाई प्रेषित की। यह प्रमाण पत्र उदयपुर में संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने प्रदान किया।

राजेन्द्र अध्यक्ष, कीर्तेश महामंत्री

उदयपुर। सुहालका कलाल महासभा उदयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण पिछले दिनों सुहालका भवन में हुआ। चुनाव अधिकारी महेश सुहालका ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष राजेन्द्र सुहालका, महामंत्री कीर्तेश सुहालका एवं कोषाध्यक्ष चित्रेश सुहालका को शपथ दिलाई। यह जानकारी अश्विनी सुहालका ने दी।

मोक्षरथ का लोकार्पण

उदयपुर। भारत विकास परिषद राजस्थान दक्षिण प्रांत द्वारा डॉ. प्रदीप कुमावत के सहयोग से प्राप्त मोक्षरथ का लोकार्पण रोटरी भवन में हुआ। रोटरी क्लब इस मोक्ष रथ का संचालन करेगा। लोकार्पण भाविप के राष्ट्रीय महामंत्री श्याम शर्मा के मुख्य आतिथ्य, प्रांतीय अध्यक्ष व असिस्टेंट गवर्नर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3054 डॉ. प्रदीप कुमावत की अध्यक्षता, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. जयराज आचार्य, रोटरी क्लब उदयपुर के अध्यक्ष बीएल जैन, सचिव हेमंत मेहता तथा डॉ. अनिल कोठारी के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ।

इंडिया रैंकिंग: सीडलिंग स्कूल शहर में द्वितीय

उदयपुर। सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स उदयपुर को एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग में उदयपुर में दूसरा और राजस्थान में तीसरा स्थान मिला है। वहीं को-एड डे स्कूल कैटेगरी में सीडलिंग स्कूल को शहर में छठा स्थान मिला है। एजुकेशन वर्ल्ड के पुरस्कार समारोह में डायरेक्टर हरदीप बक्षी ने पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रवेश परीक्षा में रॉयल के छात्रों का दबदबा

उदयपुर। कालका माता रोड स्थित रॉयल इंस्टीट्यूट के छात्रों ने कृषि प्रवेश परीक्षा एआईईए यूजी में एक बार फिर संस्थान का नाम रोशन किया है। निदेशक डॉ. जी.एल. कुमावत ने बताया कि संस्था के छात्र जसवंत सुमन ने 99.98 पर्सेंटाइल के साथ टॉप किया। इसके साथ 11 छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से अधिक, 200 छात्रों ने 90 पर्सेंटाइल से से अधिक अंक प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

चुघ अध्यक्ष व खत्री महासचिव

उदयपुर। झूलेलाल सेवा समिति की बैठक में राजस्थान सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी ने वर्तमान अध्यक्ष व महासचिव पद का कार्यकाल पुन: बढ़ाने के लिए अध्यक्ष से आग्रह किया व समिति के सामने प्रस्ताव रखा। इसमें अध्यक्ष प्रतापराय चुघ व महासचिव सुनील खत्री को सर्वसम्मति से तीन साल के लिए मनोनीत किया गया। बैठक में भारत खत्री, विजय आहूजा, वासुदेव राजानी, हेमंत गखरेजा, प्रदीप, राजेश चुग, श्याम कालरा, सुरेश चावला, मुकेश खिलवानी, विक्की राजपाल, गिरीश राजानी, जितेन्द्र बोस, कपिल नाचानी, सुनील कालरा, हरीश सिंधवानी भी उपस्थित थे।

डॉ. शर्मा का मनोनयन

उदयपुर। राज्य सरकार ने इक्कीस सदस्यीय गजेटिव संपादक मंडल का गठन किया। इसमे प्रकृति विशेषज्ञ एवं पूर्व वन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा को भी मनोनीत किया गया है। यह संपादक मंडल राजस्थान के छह जिलों जोधपुर, बांसवाड़ा, अलवर, करौली, हनुमानगढ़ एवं प्रतापगढ़ के जिला गजेटियरों की जांच, संवीक्षा, संपादन एवं परिष्कृत कर प्रकाशनार्थ अंतिम रूप प्रदान करेगा।

बया प्रदेश कार्यसमिति में मनोनीत

उदयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संयोजक धर्मेन्द्र गहलोत ने उदयपुर के पूर्व पार्षद एवं राजस्व समिति के अध्यक्ष नानालाल बया को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया है।

चित्तौड़ा का सम्मान

उदयपुर। लोकजन सेवा संस्थान समारोह में सूक्ष्म डायरी निर्माता चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा द्वारा निर्मित विजय दिवस, कारगिल दिवस, झंडा दिवस और भारतीय नौ सेना दिवस पर चार सूक्ष्म पुस्तिकाओं का सेना के लेफ्टिनेंट जनरल एन.के. सिंह राठौड़, ब्रिगेडियर रणशेरसिंह, ब्रिगेडियर जयसिंह जेतावत, प्रो. कर्नल एसएस सारंगदेवोत, डॉ. देव कोठारी, डॉ. सुमन पामेचा के ने विमोचन किया। संस्थान की ओर से चित्तौड़ा का सम्मान भी किया गया। संस्थान के संस्थापक सचिव जय किशन चौबे ने आभार व्यक्त किया।

औदिच्य समाज प्रतिभाएं सम्मानित

उदयपुर। सहस्र औदिच्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योग्यता रखने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। सेक्टर 14 स्थित समाज भवन में अध्यक्ष लोकेश द्विवेदी की अध्यक्षता व राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति एसएस सारंगदेवोत के मुख्य आतिथ्य में आयोजन हुआ। महासचिव डॉ. के.बी. शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में 64 छात्र-छात्राओं को विभिन्न संकायों में अच्छे अंक लाने के लिए सम्मानित किया गया। समाज का औदिच्य गौरव सम्मान वरिष्ठ सदस्य हेमशंकर दीक्षित को, विशिष्ट योग्यजन सम्मान सीए विनोद चन्द्र व्यास को, कोरोना वॉरियर्स का सम्मान दिनेश दवे व हरीश रावल को दिया गया।

होटल एसोसिएशन धीरज अध्यक्ष, सुदर्शन वरिष्ठ उपाध्यक्ष

उदयपुर। होटल एसोसिएशन उदयपुर के द्विवार्षिक चुनाव गत दिनों संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी महेन्द्र टाया ने बताया कि अध्यक्ष पद पर धीरज दोशी विजयी रहे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुदर्शन दवे सिंह कारोही, उपाध्यक्ष पद राजेश अग्रवाल विजयी रही। एग्जिक्यूटिव सदस्य पद पर जतिन श्रीमाली, रतन टांक, यशवर्धनसिंह राणावत, उषा शर्मा, विनीत दमानी एवं वैभव धींग निर्वाचित हुए।

भारत की हरनाज बनी मिस यूनिवर्स

नई दिल्ली। भारत की हरनाज संधू (चंडीगढ़) मिस यूनिवर्स बन गई हैं। 21 साल बाद किसी भारतीय सुंदरी को यह खिताब मिला है। साल 2000 में लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं थीं। तब से भारत इस खिताब का इंतजार कर रहा था। 70वां मिस यूनिवर्स पेजेंट 12 दिसम्बर को इजराइल में हुआ। इसमें 21 वर्षीय हरनाज ने 79 देशों की सुंदरियों को पीछे छोड़ते हुए मिस यूनिवर्स का ताज पहना। मिस यूनिवर्स की रनर अप मिस पराग्वे नाडिया फेरेरा और सैंकड रनर अप मिस साउथ अफ्रीका लालेला मस्वाने रहीं। लारा दत्ता से पूर्व 1994 में सुष्मिता सेन भी इस खिताब से नवाजी गई थी।

पाठक पीठ

भारत सरकार को पाकिस्तान की ओर से होने वाली घुसपैठ और साजिशों के प्रति और सख्त रूख अपनाना होगा। प्रत्यूष के नवम्बर अंक में वहां पोषित–पल्लवित दर्जनों आतंकवादी संगठनों के बारे में जानकारी के साथ ही जम्मू कश्मीर में गैर मुस्लिम लोगों को निशाना बनाने की उसके पिठ्ठुओं की कायराना हरकतों के बारे में भी पढ़ा। जिसका पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाना जरूरी है।

अरूण खमेसरा
व्यवसायी

दीपावली पर रेणु शर्मा का आलेख मान्यताओं से सजी रोशनी का सत्कार आलेख परिवार में सभी को पसंद आया। दीपक की महत्ता न केवल दीपावली अपितु प्रत्येक मांगलिक कार्य से जुड़ी है। वास्तव में यह अधंकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है।

आशुतोष भट्ट
एम.डी. सहकारी उपभोक्ता भंडार

प्रत्यूष का मैं और परिवार नियमित पाठक हैं। इसमें हर आयु वर्ग और अलग–अलग रूचियों वाले पाठकों तक उनकी मनपसंद सामग्री मिल ही जाती है।बच्चे व महिलाओं के लिए भी नवम्बर के अंक में कुछ तो खास था ही।

एन.के. पुरोहित
व्यवसायी

प्रत्यूष में राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आलेख तो होते ही हैं, इसमें राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र होता है, जिससे आम आदमी उनसे लाभान्वित हो सके। उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने संबंधी जानकारियां व आलेख भी प्रत्यूष की अपनी एक विशेषता है।

उदयलाल पालीवाल
शिक्षाविद्

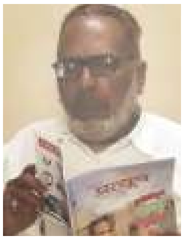

'प्रत्यूष' अपेक्षाकृत छोटे शहर से प्रकाशित होते हुए भी बहुआयामी पत्रिका है। इसमें बच्चों से लेकर वृद्धजन, राजनीति से लेकर कला, साहित्य व संस्कृति पर सार–गर्भित आलेख पढ़ने को मिल जाते हैं। स्त्री–विमर्श को लेकर भी अच्छी रचनाएं मिलती हैं। आपके परिश्रम और प्रयास को साधुवाद।

इफ्तेखार मोहम्मद अंसारी
व्यवसायी व समाजसेवी

'प्रत्यूष' मासिक को मैं पिछले कई वर्षों से पढ़ रहा हूं। यह परिवार में स्थान पाने योग्य है। इसके कवर पृष्ठ से लेकर व्यंजन और राशिफल तक की सामग्री उपयोगी है। सम्पादकीय तो इस पत्रिका के प्राण हैं।

मोहसिन भाई
व्यवसायी

उदयपुरः शोक समाचार

उदयपुर। श्रीमती वरजूबाई धर्मपत्नी स्व. दल्लाराम जी डांगी का 5 दिसम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र कमल डांगी, पुत्रियां भागुबाई, जीवा बाई व वसीबाई सहित पड़पौत्र–पौत्रियों, दोहित्र–दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री ओमप्रकाश जी गोयल (71) (स्वास्तिक पाईप) का 7 दिसम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल चाचा श्री छाजूरामजी, धर्मपत्नी श्रीमती मेवा देवी, पुत्र सुनील व मनोज गोयल, पुत्री श्रीमती वंदना सहित पौत्र–पौत्रियों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ. गोपीलाल जी जैन का 16 दिसम्बर 21 को आकस्मिक देहांत हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्रवधु स्वराज (धर्मपत्नी स्व राजेन्द्र) पुत्र अशोक जैन व रमण जैन, पुत्री चंदा सरूपरिया तथा पौत्र–पौत्रियों व दोहित्र–दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

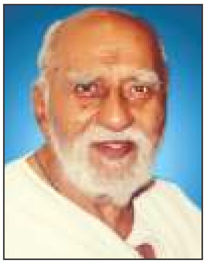

उदयपुर। श्री रेलुमलजी तलरेजा का 8 दिसम्बर को देहावसान हो गया। सिंधी समाज की सभी पंचायतों ने उनके परिवार के सदस्यों मोहनलाल पवन 'पिंकू', साहिल, सुरेश, धनराज, दिलीप, नारायण, नरेश, संजय, विजय, लक्ष्मण, अजय, मनोज, चन्द्रप्रकाश, हनी, घनश्याम जी साहनी, जयप्रकाश पमनानी के प्रति शोक प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

BDGH
since 1980
41 Years of Quality care
Gattani Hospital
बिलासी देवी
गट्टानी हॉस्पीटल
शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.) मो. 9269333699, 9667217458, 9214460061
Web site - www.pileshospitaludaipur.com, E-mail: gattanihospital@gmail.com
पाइल्स (क्रायो द्वारा) फिशर, फिस्टूला चिकित्सा का एक मात्र विश्वसनीय केन्द्र
पाइल्स
(मोडिफाइड क्रायो द्वारा)
एक दिन में छुट्टी
20,000 सफल ऑपरेशन
आज ही जानें आपकी कब्ज़ की गंभीरता को -
GKC SCORE
तुरंत लॉगऑन करें -
www.pileshospitaludaipur.com
Scan to download our App
बच्चेदानी ऑपरेशन
(बिना टाँके/दूरबीन द्वारा)
रियायती दरों पर
सामान्य प्रसव एवं सिजेरियन
नि:संतानता एवं स्त्री रोग चिकित्सा
शिशु चिकित्सा एवं टीकाकरण केन्द्र
Cashless Facility Available For Insured Patients
डॉ. मुकेश देवपुरा
एम.बी.बी.एस., डी.सी.एच.
मो. 94141-69339
डॉ. कल्पना देवपुरा
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
मो. 94141-62750
सभी प्रकार के दूरबीन ऑपरेशन (हर्निया, पथरी)

With Best Compliments
ALLIED CONSTRUCTION
Own Fleet of Buldozer's
Hydraulic Excavators
J.C.B.
Dumpers
Trailer
Motor Grader
Vibrator Soil Compactor
Road Rollers and
Breakers with Machines
Tata - Hitachi Ex-200
ALLIED CONSTRUCTION
• Earth Movers • Civil Contractors • Fabricators
46, Moti Magri Scheme, Udaipur - 313001 INDIA
Tel .: (Off & Res) 2527306, 2560897 (W) 2640196
Fax : 0294-2523507 Email : allied_construction@rediffmail.com

UNIQUE INFRA
ENGINEERING INDIA PVT. LTD.
Since 1994
'AA' CLASS CONTRACTORS
ABOUT US
Since 1994, we are working as Contractors in various fields of Civil Construction work i.e. Industrial Projects, Residential & Commercial Complex, Hotels & Resorts, Institution & Campus Development, Real Estate Projects, Road and Bridge Projects.
R.S YADAV GROUP
Recent Success
Successfully handed over 3 Medical College and Hospital Projects at Udaipur, Raj. during Covid-19 Pandemic.
R.S YADAV GROUP
UNIQUE INFRA ENGINEERING INDIA PVT. LTD.
Unique NRG RMC
मंगलमूर्ति Residency
Mount Litera Zee School UDAIPUR
2ND, FLOOR - MAHAVEER COMPLEX, 5-C MADHUBAN, UDAIPUR (RAJ.)
www.uniqueinfra.co.in

Mahindra
Rise.
महिंद्रा ट्रैक्टर्स
टेक्नोलॉजी से तरक्की
नया महिंद्रा 275 DI XP PLUS
श्रेणी में पहली बार
माइलेज शानदार
पावर दमदार
Mahindra
475 DI XP Plus
नया मॉडल
FIRST TIME IN INDUSTRY
6 YEARS
WARRANTY
ज़बरदस्त ताक़त | गहरी जुताई
ज़्यादा कवरेज | ज़्यादा आराम
Mahindra
275DI
XP PLUS
अधिकृत विक्रेता :
भूमिपुत्र ट्रैक्टर्स
महिन्द्रा ट्रैक्टर्स, सेल्स-सर्विस एण्ड इम्पलिमेन्ट्स
हेड ऑफिस: टोल प्लाजा के पास, N.H. 27, गोगुंदा, जिला-उदयपुर
ब्रांच ऑफिस : उदयपुर रोड, कोटड़ा
मो.: 9772326010, 9829262148

आज़ादी का अमृत महोत्सव
bob World
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
स्विच करो. बचत करो.
बड़ौदा गृह ऋण
@ 6.50%* प्रतिवर्ष
न्यूनतम ब्याज दर | आय प्रमाण अपेक्षित नहीं
टॉप अप ऋण सुविधा उपलब्ध
शून्य*
प्रारंभिक प्रभार
आउट ऑफ पॉकेट खर्च
लॉगिन शुल्क
मिस्ड कॉल दीजिए*: 846 700 1111
ऑनलाइन आवेदन करें:
www.bankofbaroda.in
हमें फॉलो करें